



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 10—दिसम्बर 16, 2005 (अग्रहायण 19, 1927)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 10—DECEMBER 16, 2005 (AGRAHAYANA 19, 1927)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची		
भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ	भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1187	भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1147	भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	13	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	2441	भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्णक
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

(1187)

CONTENTS

	Page		Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1187	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1147	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	13	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1987
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2441	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	605
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the Authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2873
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	339
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 नवम्बर 2005

सं. IV-14014/7/2004-एन आई-II--भारत सरकार ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2004 की शुद्धिपत्र अधिसूचना के साथ पठित दिनांक 12 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना सं. IV-14014/7/2004-एन.आई.-II के तहत 'शास्त्रीय भाषाओं' के रूप में भाषाओं की एक नई श्रेणी सृजित की थी और 'शास्त्रीय भाषाओं' के रूप में वर्गीकरण के लिए भाषाओं की पात्रता को निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित मानदण्ड निर्धारित किए गए थे :--

- (i) उस भाषा के ग्रन्थों/हजारों वर्षों से अधिक समय से संकलित इतिहास की प्राचीनता।
- (ii) प्राचीन साहित्य/ग्रन्थ की विषय-वस्तु जिसे वक्ताओं द्वारा पीढ़ियों से एक बहुमूल्य विरासत समझा जाता है।
- (iii) साहित्यिक परम्परा मूल होनी चाहिए और अन्य भाषा समुदाय से ग्रहण की गई नहीं होनी चाहिए।
- (iv) शास्त्रीय भाषा और शास्त्रीय साहित्य की आधुनिक भाषा और आधुनिक साहित्य से भिन्नता होने के कारण शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूप या उसकी उप-शाखाओं के बीच कोई अंतराल भी हो सकता है।

2. तमिल भाषा को, दिनांक 12 अक्टूबर, 2004 की उपर्युक्त उल्लिखित अधिसूचना के पैरा 3 के तहत 'शास्त्रीय भाषा' के रूप में अधिसूचित किया गया।

3. भारत सरकार ने अब दिनांक 12 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना के पैरा 2(i) में निम्नलिखित के अनुसार संशोधन करने का निर्णय लिया है :--

“उस भाषा के ग्रन्थों/संकलित इतिहास की 1500-2000 वर्षों से अधिक समय से प्राचीनता”।

4. यह भी अधिसूचित किया जाता है कि 'संस्कृत भाषा' उपर्युक्त मानदंड को पूरा करती है और उसे 'शास्त्रीय भाषा' के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

5. दिनांक 12 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना के अन्य सभी प्रावधान अपरिवर्तनीय रहेंगे।

6. उपर्युक्त निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई करने और उन्हें लागू करने के लिए आगे की कार्रवाई संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जाएगी।

जग राम
उप सचिव

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 2005

संकल्प

सं०-11011/5/2004-हि०का०क० : आर्थिक कार्य विभाग के दिनांक 20 जुलाई, 2000 के संकल्प सं०- 11011/5/94-हि०का०क० द्वारा गठित आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग तथा बीमा सहित) की हिन्दी सलाहकार समिति का 19 जुलाई, 2004 को कार्यकाल समाप्त होने पर, भारत सरकार ने आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग तथा बीमा सहित) की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। समिति का गठन और उसके कार्य आदि नीचे दिए अनुसार होंगे -

1. गठन :

- | | |
|----------------------|-----------|
| 1. वित्त मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. वित्त राज्यमंत्री | उपाध्यक्ष |

गैर-सरकारी सदस्य -

(संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित संसद सदस्य)-

- | | |
|----------------------------|----------|
| 3. श्री दावा नरबुला | लोकसभा |
| 4. श्री सलीम इकबाल शेरवानी | लोकसभा |
| 5. श्री सन्तोष बागरोडिया | राज्यसभा |
| 6. श्री लेखराज बचानी | राज्यसभा |

(संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित संसद सदस्य)-

- | | |
|-------------------------------|--------|
| 7. श्री अनिल बसू | लोकसभा |
| 8. डॉ० लक्ष्मी नारायण पाण्डेय | लोकसभा |

अन्य गैर-सरकारी सदस्य -

- | | |
|---|--|
| 9. श्री रमेश चन्द्र जोशी, प्रतिनिधि, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, एक्सवाई-68, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली। | |
| 10. प्रो० अनन्तराम त्रिपाठी, प्रधानमंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिन्दी नगर, वर्धा (महाराष्ट्र)- 442003 | |

आर्थिक कार्य विभाग की तरफ से नामित सदस्य -

11. डा० वी०आर० जगन्नाथन, पूर्व निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 106, साउथ पार्क अपार्टमेंट्स, कालका जी, नई दिल्ली ।
12. डा० लक्ष्मण सिंह "बटरोही", प्रोफेसर अधिष्ठाता, कला संकाय, कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
13. श्री राजेन्द्र अवस्थी, साहित्यकार एवं पूर्व संपादक, कादम्बिनी, एफ-12, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110014.
14. सुश्री मृणाल पाण्डे, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक, दैनिक हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, 18-20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली- 110001. ।

राजभाषा विभाग द्वारा नामित सदस्य -

15. श्री चन्द्रधर त्रिपाठी, ए-2/77, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली- 110029.
16. श्री रणजित फत्तेसिंह चव्हाण, 31, नार्थ शिवाजी नगर, कांग्रेस हाउस के निकट, सांगली, जिला- सांगली, महाराष्ट्र - 416416.
17. श्री अनुज भारद्वाज, मकान नं०- ए-16/5, चेताराम गली, मौजपुर, दिल्ली - 110053.

सरकारी सदस्य -

18. सचिव, आर्थिक कार्य विभाग ।
19. सचिव, (वित्तीय सेक्टर), आर्थिक कार्य विभाग ।
20. सलाहकार एवं सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ।
21. अपर सचिव (आर्थिक कार्य), आर्थिक कार्य विभाग ।
22. अपर सचिव (वित्तीय सेक्टर), आर्थिक कार्य विभाग ।
23. गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक ।
24. अध्यक्ष, भारतीय बैंक संघ ।
25. अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक ।
26. अध्यक्ष, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ।
27. अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ।
28. अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम ।
29. अध्यक्ष, जिप्सा ।
30. संयुक्त सचिव (बजट), आर्थिक कार्य विभाग ।
31. संयुक्त सचिव (पूँजी बाज़ार एवं मुद्रा व सिक्का), आर्थिक कार्य विभाग ।
32. संयुक्त सचिव (प्रशासन), वित्तीय सेक्टर ।
33. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ।
34. मुद्रणालयों व टंकसालों की संयुक्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष (वरिष्ठतम महाप्रबंधक) ।
35. निदेशक (राजभाषा), आर्थिक कार्य विभाग ।
36. संयुक्त सचिव (प्रशासन), आर्थिक कार्य विभाग ।

सदस्य सचिव

2. समिति के कार्य -

यह समिति संबंधित विभाग के कामकाज में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित मामलों में सलाह देगी।

3. कार्यकाल -

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्य रूप से समिति के गठन की तिथि से निम्नलिखित बातों के अधीन तीन वर्ष का होगा।

(क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य नामित किए गए हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रह सकेंगे, और

(ख) यदि कार्यकाल के बीच में स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।

4. सामान्य -

समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

5. यात्रा भत्ते तथा अन्य भत्ते -

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी, 1987 के कार्यालय ज्ञापन सं० II/20034/4/86-रा०भा०(क-2) में निहित दिशा-निर्देशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथासंशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोकसभा सचिवालय, राज्यसभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, समिति के सभी सदस्यों और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

मधुसूदन प्रसाद
संयुक्त सचिव

(विनिवेश विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 2005

संकल्प

सं. 2/3/2005-वि.वि.- II

राष्ट्रीय साझा न्यूनतम कार्यक्रम में निर्धारित नीति के अनुसरण में भारत सरकार ने “राष्ट्रीय निवेश कोष” के नाम एवं शैली से एक अलग निधि का गठन करने का निर्णय लिया है जिसके उद्देश्य, संरचना, निवेश नीति एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं नीचे दिए गए अनुसार होंगी :-

क. उद्देश्य

- (i) केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विनिवेश से प्राप्त अर्थागम को राष्ट्रीय निवेश कोष में जमा कराया जाएगा जिसे भारत की संचित निधि से अलग रखा जाएगा ।
- (ii) राष्ट्रीय निवेश कोष का संग्रह स्थायी प्रकृति का होगा ।
- (iii) संग्रह को कम किए बिना सरकार को स्थायी आय प्रदान करने के लिए कोष की प्रबन्ध व्यवस्था व्यावसायिक तौर पर की जाएगी। कोष के संग्रह की प्रबन्ध व्यवस्था चुनिन्दा सार्वजनिक क्षेत्र के म्युचुअल फंडों को सौंपी जाएगी ।
- (iv) कोष से होने वाली वार्षिक आय के 75% हिस्से का उपयोग सामाजिक क्षेत्र की उन चुनिन्दा योजनाओं का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा जो शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार को बढ़ावा दें। कोष की शेष 25% वार्षिक आय का उपयोग लाभप्रद तथा पुनरुद्धार योग्य केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, जो पर्याप्त लाभ अर्जित करते हैं, की पूंजी निवेश संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा ताकि विस्तार/विविधिकरण के वित्त पोषण के लिए उनके पूंजी आधार को बढ़ाया जा सके ।

ख. संरचना एवं प्रशासनिक व्यवस्था

राष्ट्रीय निवेश कोष का संचालन चयनित कोष प्रबंधकों द्वारा विभागीय प्रबंधन योजना की “स्वैच्छिक पद्धति” के तहत किया जाएगा, जो सेबी के दिशा-निर्देशों द्वारा नियंत्रित होती है। राष्ट्रीय

निवेश कोष के सभी क्रियाकलापों का पर्यवेक्षण, कोष के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा किया जाएगा जो भारत सरकार के संयुक्त सचिव/अपर सचिव रैंक के एक अधिकारी होंगे। राष्ट्रीय निवेश कोष के कार्यकलापों के विभिन्न पहलुओं के संबंध में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सलाह देने के लिए सरकार द्वारा एक अंशकालिक सलाहकार बोर्ड की नियुक्ति की जाएगी जिसमें अपेक्षित सुविज्ञता रखने वाले तीन प्रतिष्ठित व्यक्ति सम्मिलित होंगे।

ग. निवेश नीति

- (i) मोटे तौर पर निवेश नीति संग्रह को कम किए बिना स्थायी आय प्रदान करने की है।
- (ii) राष्ट्रीय निवेश कोष के लिए निवेश नीति सलाहकार बोर्ड की सलाह के आधार पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा तैयार की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोष प्रबंधकों द्वारा किए जाने वाले वास्तविक निवेश के सन्दर्भ में सरकार का किंचित मात्र ही संबंध हो।
- (iii) "स्वच्छ पद्धति" के अधीन कोष प्रबंधकों को केवल विस्तृत दिशा-निर्देश ही दिए जाएंगे जिनके अन्तर्गत कोष प्रबंधकों द्वारा अलग-अलग निवेश स्वतंत्र रूप से किए जाएंगे। निवेश के माध्यम और उन माध्यमों में निवेश की सीमा निर्दिष्ट करते हुए और अधिक विस्तृत दिशा-निर्देश उन करारों में अलग से विनिर्दिष्ट किए जाएंगे जो सरकार की ओर से कोष के प्रबंधकों तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी के बीच सम्पन्न किए जाएंगे।
- (iv) चयनित कोष प्रबंधकों को निधियों का आबंटन, कोष प्रबंधकों को भुगतान किए जाने वाले प्रबंधन शुल्क तथा प्रभारों के बारे में बातचीत आदि जैसे अन्य संचालनात्मक ब्यौरों के संबंध में सलाहकार बोर्ड की सलाह के आधार पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा निर्णय लिया जाएगा।
- (v) कोष के कार्यकलापों, उभरती बाजार प्रवृत्तियों और भावी सम्भावनाओं की नियमित समीक्षा तथा निगरानी के लिए उपयुक्त तंत्र प्रणालियां स्थापित की जाएंगी।

घ. लेखांकन क्रियाविधि

- (i) केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विनिवेश से प्राप्त धनराशि को भारत की संचित निधि में नामित शीर्ष के अधीन जमा कराया जाएगा। तत्पश्चात्, समुचित अनुमोदन लेने के बाद इन धनराशियों को विनिवेश विभाग द्वारा भारत की संचित निधि से विनियोजित किया जाएगा और कोष के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से चयनित कोष प्रबंधकों को अन्तरित किया जाएगा।

- (ii) इसी प्रकार कोष से होने वाली आय को भारत की संचित निधि में जमा कराया जाएगा और व्यय विभाग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित विनियोजन योजना के अनुसार विशिष्ट प्रयोजनों के लिए उसमें से विनियोजित किया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को प्रेषित कर दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए ।

सौरभ चन्द्र
संयुक्त सचिव

कम्पनी कार्य मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 2005

सं. ए-42011/1/2005-प्रशा.॥..... कंपनी अधिनियम, 1956(1956 का 1) की धारा 209 क की उप-धारा (i) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार धारा 209 क के अंतर्गत निम्नलिखित अधिकारियों को निरीक्षण के लिए प्राधिकृत करती है :-

- (1) श्री आर सी मीणा, संयुक्त निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नोएडा, जिन्होंने दिनांक 13.05.2005 को सं.नि. (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (2) श्री बी के एल श्रीवास्तव, उप निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नोएडा जिन्होंने दिनांक 29.11.2004 को उप-निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (3) श्री आर के मीणा, उप निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नोएडा जिन्होंने दिनांक 11.05.2005 को उप-निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (4) श्री टी पाण्डेयन, उप निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कोलकाता जिन्होंने दिनांक 10.06.2005 को उप-निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (5) श्रीमती एम एस कराम्बे, उप निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मुम्बई जिन्होंने दिनांक 31.05.2005 को उप-निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (6) श्री संजय यादव, सहायक निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नोएडा जिन्होंने दिनांक 03.06.2005 को सहायक निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (7) श्री भुल्लन सिंह, सहायक निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नोएडा जिन्होंने दिनांक 08.06.2005 को सहायक निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (8) श्रीमती एच ए सोज, सहायक निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मुम्बई जिन्होंने दिनांक 30.06.2005 को सहायक निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।
- (9) श्रीमती ए बी अठावले, सहायक निदेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मुम्बई जिन्होंने दिनांक 04.05.2005 को सहायक निदेशक (निरीक्षण) का पद ग्रहण किया है ।

रवीन्द्र दत्त
उप सचिव

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 2005

सं. 5 (18)/2002-लैदर 10 वीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007) के तहत भारत के योजना आयोग द्वारा स्थापित चमड़ा और चमड़ा वस्तु उद्योग पर कार्य समूह की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि भारत सरकार ने चमड़ा उद्योग से सभी खंडों नामतः टेनरीज, फुटवियर, फुटवियर घटकों, चमड़ा वस्तुओं और परिधानों में आधुनिकीकरण तथा प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए 290 करोड़ रुपये के परिव्यय से भास्तीय चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएलडीपी) के अधीन एकीकृत चमड़ा क्षेत्र विकास योजना (आईएलडीपी) तैयार की है। अधिसूचना के साथ दिनांक 3 नवम्बर, 2005 का एक समसंख्यक कार्यालय ज्ञापन संलग्न है जिसमें इस योजना के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश दिए गए हैं।

चंचल कुमार
उप सचिव

कार्यालय ज्ञापन

सं. 5(18)2002-चमड़ा-- विषय :- चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत विकास ।

भारतीय चमड़ा उद्योग रोजगार और निर्यात संभावना में अपने योगदान की दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कच्ची सामग्री का मजबूत आधार होने के बावजूद विश्व बाजार में भारत का हिस्सा बहुत कम है। विश्व बाजारों में अधिक हिस्सा प्राप्त करने के उद्देश्य से दक्षता व मात्रात्मक किफायत लाने के लिए विशेषज्ञों ने चमड़ा क्षेत्र के विभिन्न भागों में पूंजी का समावेश, दक्षता में वृद्धि और आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

2. चमड़ा क्षेत्र की आवश्यकताओं के मूल्यांकन के आधार पर, चमड़ा उद्योग के सभी भागों नामतः टेनरीज, फुटवियर, फुटवियर संघटकों, जीनसाजी, चमड़ा वस्तुओं और परिधानों में 290 करोड़ रुपये के परिव्यय से आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी उन्नयन की एक व्यापक योजना सरकार द्वारा अनुमोदित की गई है। " चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत विकास " (आईडीएलएस) शीर्षक से एक योजना को 10 वीं योजना अवधि (2002-2007) के दौरान कार्यान्वित किया जायेगा। यह योजना तत्काल प्रभाव अर्थात् 3 नवंबर, 2005 से लागू हो जायेगी।

पात्रता

3. प्रौद्योगिकी उन्नयन पर 3 नवंबर, 2005 को या इसके बाद जीव्यक्षम व बैंक स्वीकार्य कार्यक्रम आरंभ करने वाले टेनरीज, चमड़ा उत्पाद, चमड़ा संघटक और फुटवियर संघटक क्षेत्र के सभी मौजूदा एकक इस योजना के तहत सहायता पाने के पात्र हैं।

वित्तीय सहायता

4. इस योजना में वित्तीय सहायता की परिकल्पना की गई है जिसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी उन्नयन/आधुनिकीकरण और/अथवा विस्तार हेतु लघु उद्योगों को संयंत्र और मशीनों की लागत

के 30 प्रतिशत तक और अन्य एककों अर्थात् (गैर-लघु एककों) को संयंत्र और मशीनों की लागत के 20 प्रतिशत तक अनुदान की व्यवस्था होगी जिसकी अधिकतम सीमा दोनों प्रकार के उद्योगों के लिए 50 लाख रुपये होगी। अपने स्वयं के संसाधनों का निवेश करने वाले एककों के लिए भी निवेश अनुदान उपलब्ध होगा।

कार्यान्वयन प्रबंध

5. उक्त योजना को दो सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के माध्यम से कार्यान्वित किया जायेगा जिसमें से एक टेनरी के लिए सी.एल.आर.आई. चेन्नई में और अन्य चमड़ा वस्तुओं तथा परिधानों, जीनसाजी, चमड़ा फुटवियर और चमड़ा संघटकों के लिए एफ.डी.आई. नोएडा में है। इस योजना के लिए सिडवी नोडल एजेंसी होगी। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता का लाभ उठाने के इच्छुक किसी भी औद्योगिक एकक को संबंधित चमड़ा क्षेत्रों के लिए संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम अर्थात् एफ.डी.आई., नोएडा और सी.एल.आर.आई. चेन्नई को निर्धारित फार्म में आवेदन देना होगा। तकनीकी मूल्यांकन के बाद सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम उक्त आवेदन एकक को पन्द्रह दिन के भीतर क्विस लौटा देगा। तब एकक ऋण के लिए संबंधित बैंक में आवेदन करेगा। परियोजना का वित्तीय मूल्यांकन करने के बाद बैंक अपनी स्वीकृति प्रदान करेगा और औपचारिक स्वीकृति सहित आवेदन को संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के पास भेज देगा। फिर सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम इसे विषय-निर्वाचन समिति को प्रस्तुत करेगा और विषय-निर्वाचन समिति द्वारा योजना के तहत वित्तीय सहायता की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम विषय-निर्वाचन समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।

विषय-निर्वाचन समिति की संरचना कार्यालय ज्ञापन के साथ संलग्न विस्तृत दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट की गई है।

निधि जारी करना

6. सिडवी द्वारा वित्तीय सहायता मशीनें स्थान पर पहुँच जाने के बाद ही जारी की जायेगी।

परियोजना निगरानी और मूल्यांकन

7. औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग योजना की प्रगति की आवधिक रूप से निगरानी और समीक्षा करेगा। योजना के लिए दिशानिर्देश संलग्न हैं।

चंचल कुमार
उप सचिव

दिशानिर्देश

विषय : चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत विकास (आईडीएलएस)**1.0 उद्देश्य**

भारतीय चमड़ा उद्योग रोजगार और निर्यात संभावना में अपने योगदान की दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। चूंकि भारत में चमड़ा उद्योग बहुत लंबे समय तक लघु क्षेत्र के लिए आरक्षित था, इसलिए चमड़ा क्षेत्र में निवेश का स्तर बहुत कम है जिसके फलस्वरूप उत्पादन आधार छोटा हुआ है और उत्पादकता खराब रही है। अप्रचलित प्रौद्योगिकी, मानकीकरण की कमी और खराब विपणन अवसंरचना इस क्षेत्र के अपनी क्षमता के अनुरूप न बढ़ पाने से जुड़े अन्य कारक रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र स्वास्थ्य के प्रति इस उद्योग के महत्व, इसकी रोजगार क्षमता और प्रौद्योगिकी उन्नयन की ऐतिहासिक पिछले शेष को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों द्वारा इस बात पर बल दिया गया है कि विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता में सहायता और सुधार प्रदान करने के उद्देश्य से चमड़ा उद्योग के लिए पूंजी तक समय पर और पर्याप्त पहुंच रखना अनिवार्य है ताकि अपने प्रौद्योगिकी स्तर को उन्नत बनाया जा सके।

पूर्ववर्ती को ध्यान में रखते हुए वर्तमान योजना का उद्देश्य मौजूदा टेनरीज, फुटवियर, फुटवियर संघटक और चमड़ा उत्पाद एककों को उन्नत बनाने में मदद करना है जिसके फलस्वरूप उत्पादकता के लाभ, क्षमता का सही आकार निर्माण, लागत में कमी, डिजाइन और विकास होगा। योजना का उद्देश्य प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए सकारात्मक वातावरण और उत्पादकता के लाभों, बरबादी के अल्पीकरण, क्षमता के सही आकार-निर्माण, लागत में कमी डिजाइन व विकास के माध्यम से वैश्वीय प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त करने हेतु पर्यावरण प्रभाव का सृजन करना है।

2.0 पात्रता मानदंड

उक्त अधिसूचना की तारीख को अथवा इसके बाद प्रौद्योगिकी उन्नयन पर जीव्यक्षम और बैंक स्वीकार्य कार्यक्रम आरंभ करने वाले टेनरीज, चमड़ा वस्तु, जीनसाजी, चमड़ा फुटवियर और फुटवियर संघटक क्षेत्र सहित चमड़ा और चमड़ा उत्पाद संबंधी सभी मौजूदा एकक सहायता पाने के पात्र हैं। किसी भी ऐसे एकक को एक मौजूदा एकक माना जायेगा जो कम से कम तीन वर्षों से विद्यमान हो और जिसे 3 नवंबर, 2005 को कम से कम दो वर्षों से नकद लाभ हुआ हो।

2.2 सिडबी/बैंकों से निधि प्राप्त आधुनिकीकरण कार्यक्रमों के साथ-साथ ऐसे कार्यक्रम भी सहायता पाने के पात्र होंगे जो मौजूदा उत्पादन एककों द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से आरंभ किए गए हों।

2.3 उक्त योजना के तहत वित्तीय सहायता केवल ऐसी परियोजनाओं के लिए ही उपलब्ध होगी जिनके लिए सिडबी/वित्तीय संस्थाओं द्वारा योजना के वर्तमान दिशानिर्देशों के तहत 3 नवंबर, 2005 को अथवा इसके बाद ऋण मंजूर किया गया हो। स्व-निधि-पोषित आधुनिकीकरण योजना के मामले में उक्त योजना के तहत वित्तीय सहायता केवल ऐसी परियोजनाओं के लिए उपलब्ध होगी जिनके लिए मशीनें खरीदने के आदेश 3 नवंबर, 2005 को अथवा इसके बाद दे दिए गए हों और बशर्ते कि वर्तमान योजना के तहत आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज प्रारूप के अनुसार दायर किए जा रहे हों।

2.4 नये स्थानों पर पुनः स्थापित हो रहे और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान सहित आधुनिकीकरण विस्तार पैकेजों की अपेक्षा करने वाले मौजूदा एकक भी पात्र होंगे।

2.5 संबंधित एकक द्वारा प्रस्तुत परियोजना का मूल्यांकन किसी वित्तीय रूप से जीव्यक्षम तथा बैंक स्वीकार्य परियोजना द्वारा किया जाना चाहिए। परियोजना से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होने चाहिए :

- [i] एकक मूल्य प्राप्ति में प्रदर्शनीय वृद्धि और/अथवा
- [ii] उत्पादन क्षमताएं और/अथवा
- [iii] प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों का बेहतर अनुपालन।

3.0 योजना का दायरा

प्रौद्योगिकी उन्नयन में निम्नलिखित शामिल होंगे :

3.1 प्रौद्योगिकी उन्नयन, उत्पादकता वृद्धि, परिष्कृत पर्यावरणीय सुरक्षोपायों, लागत नियंत्रण के जरिये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तथा बरबादी का न्यूनतागीकरण।

3.2 मशीनरी सुविधाओं का उन्नयन और आधुनिकीकरण जिसमें शामिल हैं मशीनरी सुविधाओं की स्थापना संबंधी इन प्लांट ले आउट तथा सिविल एवं संबद्ध कार्य किंतु इसमें भवन और दूसरी संबद्ध अवसंरचनाएं शामिल नहीं हैं।

3.3 डिजाइन और विकास के द्वारा उत्पाद विविधीकरण हेतु उपाय, हार्डवेयर एवं प्रौद्योगिकीय सहायता जिसमें आई.टी. समाधान और नेटवर्किंग तथा ई गवर्नेन्स शामिल हैं।

3.4 संयंत्र की आंतरिक परिस्थितिकी में सुधार, चमड़ा फिनिशिंग सुविधाओं के उन्नयन एवं कामगारों की सुरक्षा हेतु किए जाने वाले उपाय।

3.5 व्यक्तिगत उत्पादन इकाई स्तरों पर सुरक्षित पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उपाय जिसमें शामिल हैं टैनरियों में पिट टेक्नोजॉजी का प्रतिस्थापन अथवा संयंत्र के भीतर प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थापना जैसे कि क्रोम रिकवरी।

3.6 गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण प्रणालियों हेतु उपाय तथा इकाई स्तर पर व्यक्तिगत उत्पादन उपक्रमों के लिए सरकारी विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट सभी अनिवार्य उपाय।

3.7 फुटवेयर अपर इकाइयों के लिए क्लोथिंग रूप सुविधाओं में वृद्धि तथा फुटवेयर घटकों के लिए उत्पादन सुविधाओं का सृजन।

3.8 इन हाउस अनुसंधान और विकास सुविधाओं का निर्माण तथा नमूना बनाने की सुविधाओं की स्थापना।

3.9 योजना के तहत शामिल करने के लिए, किसी मौजूदा इकाई में विद्यमान मशीनरी को बदलकर निम्नलिखित प्रकार की मशीनरी को स्थापित करना और/अथवा विस्तार करने के कार्यक्रमों के लिए पात्रता होगी :

- | | | |
|------|--|------------|
| i. | टैनरियों को आधुनिकीकरण | अनुबंध - क |
| ii. | फुटवेयर इकाइयों और फुटवेयर घटक इकाइयों का आधुनिकीकरण | अनुबंध - ख |
| iii. | चमड़े की वस्तुओं का आधुनिकीकरण | अनुबंध - ग |
| iv. | चमड़े के परिधानों का आधुनिकीकरण | अनुबंध - घ |
| v. | जीनसाजी इकाइयों का आधुनिकीकरण | अनुबंध - ङ |

3.10 विषय निर्वाचन समिति, ऊपर न. गिनाये गए किसी अन्य कार्यक्रमों के लिए तथा वर्तमान दिशा-निर्देशों में विनिर्दिष्ट न की गई मशीनों को आधुनिकीकरण योजना में शामिल करने के लिए राष्ट्रीय संस्थाओं की सलाह ले सकती है, बशर्ते उनका परिणाम स्पष्ट और व्यवहार्य सुधारों के रूप में सामने आए जिससे प्रौद्योगिकी उन्नयन हो सके। इसी प्रकार, विषय निर्वाचन समिति, विशेषज्ञ संस्था की सलाह पर किसी

कार्यकलाप/मशीनरियों की सूची को हटा सकती है। लेकिन विविधीकरण को नया उद्योग माना जाएगा और उसकी अनुमति नहीं दी जाएगी।

3.11 वर्तमान इकाइयों के पास ऊपर बतायी गई भांति एकल अथवा बहु-कार्यकलापों को चुनने का विकल्प होगा, जिसमें 50 लाख रुपये की कुल सहायता सीमा लागू होगी। आधुनिकीकरण के लिए माड्युलर प्रयासों की अनुमति सामान्यतः प्रयोगों के बीच न्यूनतम 6 माह के अंतराल पर तथा पहले के आधुनिकीकरण माड्युल्स का सफलतापूर्वक पूरा करने पर दी जाएगी। किंतु विषय-निर्वाचन समिति एक से अधिक बार आधुनिकीकरण हेतु आवेदनों पर इनके आधार पर निर्णय लेगी - क) प्रथम बार के आवेदकों को न्यायोचित और उचित सहायता और ख) आवेदक की प्रतिस्पर्धात्मक योग्यता जैसा वित्तीय संस्थाओं/बैंकों/सिडबी द्वारा किए गए वित्तीय मूल्यांकनों तथा तकनीकी मूल्यांकनों द्वारा प्रमाणित हो।

4.0 सहायता का परिमाण एवं स्वरूप

4.1 इस योजना के तहत वित्तीय सहायता, लघु इकाइयों के लिए संयंत्र और मशीनरी की लागत के 30 प्रतिशत तक तथा अन्य इकाइयों (अर्थात् गैर-लघु इकाइयों) के लिए संयंत्र और मशीनरी की लागत के 20 प्रतिशत तक निवेश अनुदान के रूप में होगी, जिस पर प्रौद्योगिकीय उन्नयन/आधुनिकीकरण और/अथवा विस्तार हेतु 50 लाख रुपये की अधिकतम सीमा लागू होगी। अपने संसाधनों का निवेश करने वाली इकाइयों के लिए भी निवेश अनुदान उपलब्ध होगा। इस योजना के उद्देश्यों हेतु, लघु उद्योग की परिभाषा वही होगी, परियोजना की स्वीकृति की तारीख पर सरकार द्वारा अधिसूचित की हुई होगी। योजना के तहत उन्नयन में निम्नलिखित शामिल होंगे :

- मशीनों का बिल मान,
- बिक्री और उत्पाद-शुल्क कर,
- परिवहन एवं पारगमन बीमा लागत,
- आयात संबंधी शुल्क,
- स्थापना एवं शुरू करने संबंधी प्रभार, जिनमें सिविल और विद्युतीय कार्य शामिल हैं, जो मशीन की कुल शुल्ग लागत के 5 प्रतिशत तक सीमित होंगे।

5.0 कार्यान्वयन की विधि

5.1 प्रशासनिक और मानीटरिंग तंत्र

5.1.1 कार्यान्वयन एजेंसी विभाग की एक प्रशासनिक इकाई के रूप में होगी, जिसे चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास की परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) कहा जाएगा। योजना के और बड़े दायरे के दृष्टिगत, पी.आई.यू. दो केंद्रों से कार्य करेगी, एक टैनरियों के लिए सी.एल.आर.आई. चेन्नई और दूसरा फुटवेयर, फुटवेयर हिस्सों, जीनसाजी, चमड़े की वस्तुओं और परिधानों के लिए एफ.डी.डी.आई., नोएडा।

5.1.2 सहायता जारी करने, निगरानी तथा वित्तीय संस्थाओं, बैंकों व सरकार के साथ संपर्क हेतु नोडल एजेंसी भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) होगा।

5.1.3 योजना के कार्यान्वयन हेतु एक विषय-निर्वाचन समिति होगी, जिसे योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके दायरे में शामिल होंगे, आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए अपेक्षित मानक संयंत्र और मशीनरियों के लिए प्रक्रियाएं तय करना, मानक मूल्य तय करना, सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करना और सरकार से औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता के संवितरण पर अनुवर्ती कार्यवाही की निगरानी करना। इसमें शामिल होंगे :

- संयुक्त सचिव (चमड़ा) औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, चेयरमैन के तौर पर
- सिडबी का प्रतिनिधि
- सी.एल.आर.आई का नामित व्यक्ति
- सी.एल.ई. का नामित व्यक्ति
- एफ.डी.डी. आई. का नामित व्यक्ति
- डी.सी.एस.एस. आई. का प्रतिनिधि
- औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के वित्त स्कंध का प्रतिनिधि
- उद्योग (फुटवेयर और फुटवेयर घटक) का प्रतिनिधि
- उद्योग (टेनरी) का प्रतिनिधि
- उद्योग (चमड़ा वस्तुएं और परिधान) का प्रतिनिधि
- उद्योग (जीनसाजी) का प्रतिनिधि
- निदेशक/उप-सचिव (चमड़ा) संयोजक
- चेयरमैन द्वारा यथा नामित दूसरे आगंत्रित व्यक्ति

5.2 आवेदन की विधि

5.2.1 किसी भी इकाई को, जो सरकारी वित्तीय सहायता का लाभ लेना चाहती हो, संबंधित पी.आई.यू. को तीन प्रतियों में निर्धारित आवेदन फार्म (आईडीएलएस-I) में सहायता के लिए आवेदन करना होगा। इस फार्म पर एक घोषणा के विलाशर्त समर्थन में एक शपथ-पत्र होना चाहिए। पी.आई.यू. आवेदन की पावती देगा और एक पंजीकरण संख्या आवंटित करेगा। पी.आई.यू. प्राप्त हुए आवेदन का तकनीकी मूल्यांकन पूरा करेगा और आवेदन प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपनी सिफारिशों के साथ आवेदन को आवेदक के पास भेज देगा।

5.2.2 तत्पश्चात् इकाई ऋण के लिए निर्धारित फार्म में संबंधित बैंक/वित्तीय संस्था को आवेदन देगा।

5.2.3 ऋण स्वीकृत होने पर बैंक अपनी टिप्पणियों और सिफारिशों तथा पी.आई.यू. के स्वीकृति पत्र के साथ आवेदन को वरीयतः एक माह के भीतर अग्रेषित कर देगा (आई डी एल एस-II)

5.2.4 तत्पश्चात् पी.आई.यू., बैंकों के वित्तीय मूल्यांकन और पी.आई.यू. के तकनीकी इनपुट के साथ आवेदन को जांच समिति को निर्णयों व अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करेगा।

5.2.5 योजना के तहत वित्तीय सहायता की स्वीकृति विषय निर्वाचन समिति द्वारा प्रदान की जाएगी। निवेश अनुदानों के रूप में सहायता स्वीकृति करने से पहले सिडबी/बैंक द्वारा तकनीकी मूल्यांकन व बैंक योग्यता मूल्यांकन, दोनों को ही, ध्यान में रखा जाएगा। विषय निर्वाचन समिति के निर्णय के एक सप्ताह के भीतर औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग द्वारा सिडबी तथा संबंधित प्रायोजक बैंक को तथा आवेदक को सूचना दे दी जाएगी।

5.2.6 जिन परियोजनाओं में ऋण शामिल नहीं होगा, औद्योगिक इकाई को निर्धारित फार्म में सीधे सिडबी को आवेदन करना होगा और वे अपनी विशिष्ट सिफारिशों तथा मूल्यांकन टिप्पण के साथ उसे औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग को भेज देंगे। सिडबी द्वारा स्थल निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर सिडबी के जरिये सरकारी वित्तीय सहायता जारी की जाएगी। सरकारी वित्तीय सहायता के संवितरण से पहले, विषय निर्वाचन समिति के अनुमोदन हेतु अपेक्षित दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

5.2.7 योजना आरंभ होने पर, सिडबी के अधिकार में सीधे एक अग्रिम राशि दे दी जाएगी। बाद की राशियां, वास्तविक के अनुसार प्रतिपूर्ति आधार पर जारी की जाएंगी। जांच समिति सिडबी को निधियां जारी करने के लिए आवधिक रूप से सहायता एवं संवितरण की आवश्यकता की समीक्षा करेगी।

5.2.8 योजना के कार्यान्वयन में तकनीकी व दूसरे प्रकार की सहायता के लिए पी.आई.यू., औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के प्रति जिम्मेदार होगा। पी.आई.यू., औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग की कार्यान्वयन शाखा के तौर पर कार्य करेगा तथा त्वरित कार्यवाही, प्रासंगिक डेटाबेस के विकास में विभाग की सहायता करेगा, जिसमें उपकरणों की सूची, मशीनरियों के स्रोत, आदि तथा परियोजनाओं की दक्ष मानीटरिंग हेतु अपेक्षित दस्तावेजीकरण भी शामिल होंगे। पी.आई.यू., सहायता हेतु आवेदनों से संबंधित मामलों पर औद्योगिक इकाई तथा औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के बीच लिंक का काम करेगा।

6.0 अन्य निबंधन और शर्तें

6.1 वित्तीय सहायता संवितरण करने से पहले बैंक/सिडबी, भारत सरकार की ओर से औद्योगिक इकाई के साथ एक अनुबंध करेगा। संबंधित बैंक द्वारा वित्तीय सहायता केवल तभी जारी की जाएगी, जब गशानें स्थल पर पहुंच जाएं और भारत सरकार की ओर से अनुबंध हो जाए। यह सहायता गशीनों की लागत के 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत तक सीमित होगी (क्रमशः लघु तथा गैर-लघु उद्योगों के लिए) जैसा कि निबंधन और शर्तों में उल्लेख है।

6.2 सरकारी वित्तीय सहायता जिस प्रयोजन हेतु स्वीकृत की गई है, उसके अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए उसका उपयोग नहीं किया जा सकता। सरकार द्वारा जारी की गई राशि का उपयोग, उधारकर्ता द्वारा मूलधन चुकाने में चूक करने पर सगायोजन या ब्याज अदा करने के लिए नहीं किया जा सकता।

6.3 आधुनिकीकरण कार्यक्रम पूरा हो जाने के बाद, औद्योगिक इकाई द्वारा सिडबी को कंपलीशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना होगा। इस सर्टिफिकेट का फॉर्मेट विषय-निर्वाचन समिति द्वारा तय किया जाएगा।

6.4 पूरा कराने की तारीख से, दो वर्षों तक, सरकारी वित्तीय सहायता का लाभ उठाने वाली औद्योगिक इकाई को सिडबी को फार्म आई डी एल एस-III में परिचालनात्मक एवं निष्पादन संबंधी ब्यौरे प्रस्तुत करने होंगे जो उनसे विषय-निर्वाचन समिति को अवगत करायेगा।

6.5 यदि सरकार वित्तीय सहायता प्राप्त करने के दो वर्षों के भीतर औद्योगिक इकाई काम करना बंद कर देती है, तो उसे प्राप्त की गई वित्तीय सहायता वापस करनी होगी और साथ ही सिडबी की मूल ऋण दर पर इकाई बंद होने की तारीख से सहायता राशि वापस करने की तारीख तक ब्याज भी लिया जाएगा (जैसा मामला होगा)। अनुपालन न करने की दशा में, संबंधित बैंक आवश्यक कदम उठायेगा।

6.6 यदि किसी समय पर यह पाया जाता है कि किसी झूठी जानकारी के आधार पर सरकार से वित्तीय सहायता ली गई है, तो औद्योगिक इकाई को सरकारी वित्तीय सहायता वापस करनी होगी और साथ में संवितरण की तारीख से वापस करने की तारीख तक ब्याज भी देना होगा। ब्याज की दर, इस दंडात्मक खंड का प्रयोग करते समय संबंधित बैंक की मूल ऋण दर होगी।

6.7 योजना का समग्र तौर पर कार्यान्वयन प्रशासनिक विभाग, अर्थात् औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग द्वारा आवधिक रूप से किया जाएगा।

I. चर्मशोधक मशीनों की सूची

अनुबध - क

I. प्री टैनिंग तथा टैनिंग मशीन

1. पेडल
2. लकड़ी के ड्रम
3. फलेशिंग मशीन
4. स्कडिंग मशीन
5. सस्पेन्डर एंड हैंडलर (वनस्पति टैनिंग)
6. सैम्पल ड्रम

II. पोस्ट टैनिंग

1. सैमिंग मशीन
2. स्पिलिटिंग मशीन
3. सेविंग मशीन
4. लकड़ी के ड्रम
5. स्टील के ड्रम
6. रिवर्सिबल सेटिंग आऊट मशीन
7. वैक्यूम ड्रयर
8. टोगलिंग यूनिट
9. ड्राइंग चैम्बर
10. ड्राइंग कन्वेयर हैंगर सहित
11. वाइब्रेटरी स्टाफिंग मशीन (गोलिसा)
12. स्लोकम्ब स्टाफिंग मशीन
13. ड्राई ड्रम
14. ड्राई सेविंग
15. बफिंग एंड स्नूफिंग मशीन
16. डस्ट रिगूविंग मशीन

III. फिनिशिंग मशीन

1. स्प्रे बूथ सहित स्प्रे गन (फार हैंड स्प्रे)
2. ऑटो स्प्रेथिंग मशीन कन्वेयर सहित
3. हाइड्रोलिक प्रेस प्लेटों सहित
4. रोलर कोटर कन्वेयर सहित
5. कर्टेन कोटर कन्वेयर सहित
6. रोटो प्रेस
7. फैल्ट पोलिशिंग मशीन
8. स्टोन पोलिशिंग मशीन
9. ग्लेजिंग मशीन
10. फिनिफलैक्स मशीन
11. एरिया गेजरिंग मशीन

IV. शुष्क चमड़ा साफाई प्लांट

V. इफल्यून्ट शोधक प्लांट

VI. चमड़ा परीक्षण उपकरण

2. फुटवियर तथा संघटक मशीनों की सूची

I) पैटर्न बनाने और कटिंग की मशीन - पैटर्न बनाना

1. सी ए डी सिस्टम
2. हैंड-ऑपरेटेड कटर
3. इलेक्ट्रिक पैन्टोग्राफ
4. फाइबर की कार्डबोर्ड सिरीज की कटिंग के लिए न्यूमरिक कंट्रोल
5. टर्निंग आर्म के साथ माइक्रो- क्लिकिंग
6. सैटिंग के लिए कम्प्यूटर सहित कटिंग टेबल
7. शू लास्ट थर्मोफॉर्मिंग मशीन
8. गॉडल एरिया मैजरिंग मशीन

II) कटिंग

1. आर्म टाइप क्लिकिंग प्रेस
2. ऑटोमैटिक भूवर्गैट वाला आर्म टाइप क्लिकिंग प्रेस
3. बीम प्रेस
4. ट्रेवर्लिंग हैड प्रेस
5. एन सी डाई कटिंग सिस्टम
6. वैल्विंग शियरिंग डाई कटिंग मशीन, हाई फ्रीक्वेंसी टाइप
7. स्ट्रिप कटर
8. गल्टी कटिंग
9. रबड बेल्स के लिए कटर
10. ग्यूलोटाइन शियर्स
11. बीम प्रेस के लिए रोल होल्डर,
12. शीट वाली सामग्री के लिए लिफ्टिंग प्लेटफॉर्म
13. सामग्री पहुंचाने के लिए रोल फीडर
14. सामग्री पहुंचाने के लिए ग्रिपर जैरो फीडर
15. कटिंग बोर्डों के लिए प्लेनिंग मशीन
16. गॉडल एरिया मैजरिंग मशीन

IH) अपर शूज तैयार करने और सिलने के लिए मशीनें

1. लैडर रिपेसिटिंग मशीन

2. लाइनिंग/अपर के लिए स्टैम्पिंग मशीनें (हाथ वाली तथा स्वचालित)
3. ट्रांसफर स्टैम्पिंग मशीन
4. ऊपरी उपकरणों के लिए स्काइविंग मशीन
5. ऊपरी उपकरणों में रीडनफोर्सिंग टेप लगाने के लिए मशीन
6. अपर लाइनिंग स्टीफनर (बुक-टाइप क्लोजिंग)
7. ऊपरी किनारों पर रीडनफोर्सिंग टेप लगाने के लिए मशीन
8. सिलाई के किनारों हेतु रबिंग और स्काइविंग मशीन
9. सीम प्रैसिंग और टेपिंग मशीन
10. वैम्प प्री-फॉर्मिंग मशीन
11. होट-प्रिंट मॉक-स्टिचिंग, पैटर्न और रिलीफ, हाई फ्रीक्यून्सी टाइप के लिए मोडलर सिस्टम
12. चमड़े पर छपाई अथवा इम्बोस करने के लिए प्लेटिंग मशीन
13. थ्रेडिंग के बाद अपर को इन्टरलेस और प्लेट करने के लिए इम्बोस हेतु प्लेटिंग मशीन
14. सिलाई और ट्रिम किए हुए अपर के नुकीले किनारे वाले हिस्सों के लिए सीम बीटिंग मशीन
15. जूतों के भीतों के छेद बनाने के लिए परफोरेटिंग मशीन
16. परफोरेटिंग और डेकोरेटिंग मशीन
17. एज फोल्डिंग मशीन
18. रीडनफोर्सिंग टेप युक्त थर्मोसीमेंट और फोल्डिंग मशीन
19. फ्रेम बाइडिंग के लिए थर्मोसीमेंटिंग और फोल्डिंग मशीन
20. अपर पर थर्मोप्लास्टिक टो-पफ बनाने के लिए मशीन
21. थर्मोएडहेसिव टो-पफ अटैचिंग मशीन
22. कपल अपर, लाइनिंग और टो-पफ पर वैम्प लगाने के लिए सीमेंट स्प्रेडिंग मशीन
23. थर्मोप्लास्टिक सीमेंटिंग मशीन
24. अपर के लिए प्लीटिंग मशीन
25. जिग-जैग सिलाई मशीन
26. एजिंग और प्रोफाइलिंग के लिए हथ्थे वाली रोटरी सिलाई मशीन (लम्बे हथ्थे वाली)
27. फ्लैट-बैड सिलाई मशीन, 1 अथवा 2 सुईयाँ
28. ऑटोगैटिक थ्रैड कटर वाली फ्लैट-बैड सिलाई मशीन, 1 अथवा 2 सुईयाँ
29. पोस्ट सिलाई मशीन, 1 अथवा 2 सुईयाँ
30. चाकू वाली पोस्ट बैड सिलाई मशीन, 1 अथवा 2 सुईयाँ
31. ऑटोगैटिक पोस्ट कटर वाली फ्लैट-बैड सिलाई मशीन, 1 अथवा 2 सुईयाँ
32. सिलाई और बाइडिंग मशीन
33. गोकसिन प्री-पेस्ट सीमेंटिंग मशीन
34. नकली जूते-चप्पल सिलने के लिए मशीन
35. गोकसिन एप्रन सिलने के लिए स्पोर्ट वैल्विंग मशीन
36. अपर लाइनिंग ट्रिमिंग मशीन

37. स्ट्रोबल गशीन इनसोल एप्लिकेशन
38. ऑटोगेटिक सिलाई गशीन
39. टैम्पलेट्स के साथ जोड़ने के लिए कंप्यूटरीकृत सिलाई गशीन
40. आईलेटिंग मशीन (हाथ वाली अथवा स्वचालित)
41. राईवेटिंग मशीन (हाथ वाली अथवा स्वचालित,
42. एन सी राईवेटिंग मशीन
43. हुक, आईलेट लगाने वाली मशीन
44. अपर पर सजावट करने के लिए गशीन
45. ऊपर लेसिंग गशीन
46. स्नैप फास्टनर्स लगाने के लिए गशीन
47. जिपर्स के लिए रोलर सीमेस्टिंग मशीन
48. बूट टर्न आउट गशीन
49. बेल्ट डिस्पेन्सर (प्लेन, स्वचालित अथवा कंप्यूटर आधारित)
50. कन्वेयर मैकेनिकल डिस्पेन्सर
51. ब्लेड
52. स्काईविंग मशीन के लिए बेल नाईफ
53. गैटल स्मॉल वेयर
54. कार्डिंग टूल्स
55. विशेष सिलाई मशीन
56. कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित सिलाई मशीन
57. जूतों की गरम्मत करने वाली सिलाई मशीन

(IV) सोल यूनिट असोम्बली और गशीन संबंधी उपकरण

1. भीतरी तल्ले को तुरूपन द्वारा टॉकने की मशीन
2. भीतरी तल्ले की छंटाई करने वाली मशीन
3. भीतरी तल्ला लगाने वाली मशीन, दबाव वाली
4. भीतरी तल्ला लगाने वाली मशीन, सीमेंट वाली
5. पिछला हिस्सा ढालने वाली मशीन
6. जूते-चप्पलों के लिए पिछला हिस्सा ढालने वाली मशीनें
7. रिटच डाउन/आइडियल अनुप्रयोगों के लिए पिछला हिस्सा ढालने वाली मशीन
8. गुडईयर अनुप्रयोगों के लिए पिछला हिस्सा ढालने वाली मशीन
9. ऊपरी किनारे को खुदरा बनाने की मशीन
10. गोकारिन आयरनिंग मशीन
11. टो कैप्स और/अथवा हील सीट और फनर्स के लिए स्टीगर
12. पूरे अपर को नम करने और टो-कैप्स एवं काउण्टरों को पुनः क्रियाशील बनाने के लिए मशीन

13. दूर अपर को नग करने के लिए मशीन
14. दो फॉर्मिंग मशीन
15. सीमेंटयुक्त और अनुप्रयोगों के लिए पुलिंग-ओवर और लास्टिंग मशीन
16. गुडईयर अनुप्रयोगों के लिए पुलिंग ओवर और लास्टिंग मशीन
17. आइडियल अनुप्रयोगों के लिए पुलिंग ओवर और लास्टिंग मशीन
18. तुरपन (डोरी पर) द्वारा अपर को पीछे लगाने के लिए मशीन
19. लाइनिंग खींचने और लगाने के लिए मशीन
20. थर्मोप्लास्टिक साइड लास्टर
21. आइडियल अनुप्रयोगों के लिए चाकू के प्रकार के खुरदरे गोलाई देने वाले उपकरण वाला वेस्ट लास्टर
22. वेस्ट लास्टर, हुक अथवा तुरपन के प्रकार
23. गुडईयर इनसीम ट्रिगिंग मशीन
24. गुडईयर अनुप्रयोगों के लिए सीमेंटयुक्त और/अथवा टैक्स सीट लास्टर हेतु सीट लास्टर
25. आइडियल अनुप्रयोगों के लिए सीट लास्टर
26. सीमेंटड अनुप्रयोगों के लिए वेस्ट और सीट लास्टर
27. लास्टेड शू पाउण्डिंग मशीन (आईडल रोलर/हथौड़े के जैसा)
28. निचले हिस्से को समतल बनाने के लिए लास्टेड शू पाउण्डिंग मशीन
29. हील सीट बीटिंग मशीन, व्हील-वाइब्रेटिंग हथौड़े के प्रकार की।
30. प्रीफिक्स्ड हील और हील सीट के बीच उपयुक्त सतह को परिष्कृत करने के लिए मशीन
31. लास्ट पर रखे गए जूतों तथा बूटों की आयरनिंग तथा कन्डीशनिंग करने के लिए हीट सेटर
32. लास्ट पर रखे गए जूतों तथा बूटों की आयरनिंग तथा उच्च निष्पादन वाले हीट सेटर
33. जूतों के लिए संतृप्त गाप और गर्ग हवा एवं गाप के मिश्रण तथा आयरनिंग रोलर्स वाली थर्मोआयरनिंग मशीन
34. जोड़े गए किनारों को खुरदरा करने के लिए हाथ वाली हील-सीट बीटर मशीन
35. खुरदरे क्षेत्र की सीमानिर्धारित करने के लिए मास्किंग टेप लगाने हेतु सैडिंग मशीन रोटरी मशीन
36. लास्टेड शूज के लिए पिसाई वाले उपकरण के साथ ऑटोमैटिक प्रोग्रामेबल रफिंग मशीन
37. लास्टेड शूज के लिए स्वचालित सीमेंटिंग मशीन
38. पानी से फैलने वाले चिपकाने वाले पदार्थों के लिए अर्धस्वचालित रोटरी ब्रश मशीन
39. लास्टेड शू के तल्लों की इकाईयों के लिए ओवरटर्नड सीमेंटिंग मशीन
40. तल्लों के लिए स्वचालित सीमेंटिंग मशीन
41. लास्टेड शूज के लिए स्वचालित रफिंग/सीमेंटिंग मशीन

42. डिश सोल्स (तल्लों) के लिए रफिंग मशीन (हाथ वाली तथा अर्धस्वचालित प्रकार की)
43. ड्रायर रिऐक्टीवेटर
44. कन्वेयरयुक्त सीमेंट ड्राइंग मशीन
45. वैक्यूम ड्राइंग एवं रीऐक्टीवेटिंग मशीन
46. जल आधारित सीमेंट ड्राइंग मशीन
47. सेक्टर पैड्सयुक्त सोल प्रेस
48. सेल्फ शेपिंग पैड्स से युक्त सोल प्रेस
49. निचले वाटर पैड बॉक्स से युक्त स्वचालित प्रेस
50. कन्वेयरयुक्त चिल सेटर
51. पिछले किनारों पर लगी रह गई गोंद को हटाने के लिए ब्रशिंग मशीन
52. लास्ट पुलिंग मशीन
53. हील प्री-फिक्सेसिंग मशीन
54. हील नेलिंग मशीन
55. गैंग नेलिंग मशीन
56. लास्टेड शूज और सोल्स (तल्लों) के लिए चैनलिंग मशीन
57. चैनल खोलने की मशीन
58. चैनल बन्द करने की मशीन
59. सिलाई का निशान लगाने की मशीन
60. तल्लों के किनारों के लिए ट्रिगिंग क्लीनजिंग मशीन (नेब्यूलाइजरयुक्त अथवा नेब्यूलाइजर रहित)
61. तल्ले और एड़ी के किनारों के लिए हाथ वाली ट्रिगिंग मशीन
62. बालू से पॉलिश करने के कारण फैले रबड़ के तन्तुओं को हटाने के लिए मशीन
63. तल्लों के लिए हाथ वाली आर्नामेण्टल रिबिंग मशीन
64. एड़ियों के लिए हाथ वाली ट्रिगिंग मशीन
65. लॉकस्टिच साइड वॉल स्वीइंग मशीन पर पहले से लगाए हुए तल्ले एवं एड़ी के लिए हाथ वाली बैण्ड स्कोरिंग मशीन
66. ब्लैक वर्क के लिए लॉकस्टिच सोल स्वीइंग मशीन
67. ब्लैक वर्क के लिए लॉकस्टिच सोल स्वीइंग मशीन
68. अपर और तल्ले की सीधी सिलाई के लिए लॉकस्टिच सोल स्वीइंग मशीन
69. गुडईयर अनुप्रयोगों के लिए उच्च गति वाली वेस्ट सिलाई मशीन
70. गुडईयर की लास्ट फिटिंग मशीन के लिए उच्च गति वाली आउटसोल सिलाई मशीन
71. तल्लों के लिए सॉफ्ट रोलर सीमेंटिंग मशीन
72. रबड़ के तल्लों और उस जैसी सागरी के लिए हैलोजेनेटिंग मशीन
73. टॉप लिफ्ट नेलिंग मशीन
74. कन्वेयर में लगे हुए ऑटोक्लेव वाली वल्केनाइजिंग मशीन
75. डस्ट-एक्जहॉस्ट एवं कलेक्शन की इकाई

- 76. हाथ वाला कन्वेयर - दवाने वाला
- 77. परिवर्तनीय गति अथवा टैम्पोराइज्ड स्टॉप युक्त इलेक्ट्रोमेकैनिकल कन्वेयर
- 78. लोडिंग/अनलोडिंग रोबोट
- 79. थर्मोस्टैटिक सेल

(V) उपकरण तथा सहायक सामग्री तैयार करने हेतु मशीनें

1 टो कैप्स

- (i) कटिंग ल्यूबरिकेशनयुक्त स्काइविंग मशीन

2. स्टिफनर्स

- (i) वेटिंग मशीन
- (ii) साँचे बनाने के लिए चाक की प्रति बनाना
- (iii) कटिंग ल्यूबरिकेशन युक्त स्काइविंग मशीन
- (iv) स्काइविंग (तराशने) स्टैम्पिंग (ठप्पा लगाने) और नॉर्लिंग (गाँठ लगाने) के लिए स्वचालित मशीन
- (v) चमड़े के बोर्ड की सामग्री के किनारों को ठीक करने के लिए मशीन
- (vi) रोलिंग मशीन
- (vii) रफ स्कोरिंग मशीन, पहिए वाली, पैड-युक्त
- (viii) डूअल स्टेशन मैनुअल प्री-फार्मिंग मशीन
- (ix) स्वचालित हील सॉक परफार्मिंग मशीन
- (x) हील सॉक सीमेंटिंग मशीन
- (xi) हील सॉक ड्राइंग ओवन
- (xii) कच्चा माल

3. इनसोल (भीतरी तल्ला)

- (i) स्वचालित इनसोल कटिंग मशीन
- (ii) इनसोल हील सॉक की सैण्ड विच कटिंग के लिए मशीन
- (iii) इनसोल्स में सीट स्टैप्स के लिए छेद बनाने वाली मशीन
- (iv) खाँचों में सीट स्टैप्स लगाने के लिए इनसोल ग्रूविंग मशीन
- (v) फाईबर बोर्ड के लिए स्काइविंग मशीन

- (vi) गेंटल शैंक्स को बोर्ड शैंक्स में फिट करने के लिए मशीन
- (vii) ड्रायरयुक्त अथवा ड्रायर रहित सीमेन्टिंग मशीन
- (viii) भीतरी तल्ले के किनारों के लिए सीमेन्टिंग मशीन
- (ix) सीमेन्टिंग एवं स्टैम्पिंग मशीन
- (x) प्लान्टिंग-शेपिंग मशीन
- (xi) क्लीनिंग इनसोल की सजावट के लिए सिल्क - स्क्रीन प्रिंटिंग मशीन, बोर्ड शैंक असेम्बली मशीन के लिए इनसोल
- (xii) परफॉर्मिंग इसनोल का प्रेस
- (xiii) प्रोफाइलिंग तथा पिचिंग ट्रिमिंग मशीन (शार्पनिंग मशीन सहित अथवा बिना शार्पनिंग मशीन)
- (xiv) फोल्डिंग मशीन
- (xv) हील डिज़ाइनिंग और इंजीनियरिंग के लिए सी.ए.डी. सिस्टम
- (xvi) सैम्पल हील बनाने के लिए सी.ए.डी. सिस्टम

4. एड़ी (हील)

- (i) चमड़े के पट्टों के लिए गिलोटिन कटर
- (ii) डाट (कार्क) एवं चमड़े की एड़ियों को ढकने और दबाने के लिए मशीन
- (iii) एड़ी के अगले भाग को दबाने के लिए मशीन
- (iv) हील ब्रेस्ट के छेद और सी-लाइन बनाने के लिए मशीन
- (v) हील परफॉर्म ऑफ स्ट्रिप्स काटने के लिए मशीन
- (vi) समतल करने और खुरदरा करने की मशीन
- (vii) लिफ्ट फ्लेरिंग मशीन
- (viii) चमड़े के ढकी हुई एड़ियों के लिए सैन्डिंग मशीन
- (ix) हील कवरिंग के लिए रफ-स्कोरिंग मशीन
- (x) लिफ्ट पर चिपकाने वाले पदार्थ फैलाने के लिए मशीन
- (xi) लिफ्ट जोड़ने के लिए प्रेश
- (xii) हील कवर और हील को जोड़ने के लिए मशीन
- (xiii) हील और हील कवर को जोड़ने की स्वचालित मशीन
- (xiv) अन्तर्वर्ती पुजों के लिए डबल सीमेन्टिंग मशीन (हील का आवरण)
- (xv) चमड़े से इतर हीलों के लिए प्री ट्रिमिंग मशीन
- (xvi) हील प्री ट्रिमिंग मशीन
- (xvii) हील डिगिंग मशीन
- (xviii) स्वचालित अबटिंग डिगिंग मशीन

- (xix) हील सजाने की मशीन
- (xx) चमड़े के स्ट्राइप्स एफेक्ट के लिए उपकरण सहित या उपकरण रहित स्प्रेडिंग मशीन
- (xxi) हील मिलिंग, इनक्लाइनेशन और डेपथ बनाने के लिए स्वचालित मशीन
- (xxii) सम्पूर्ण हील संबंधी कार्य हेतु ट्रांसफर
- (xxiii) अर्धवाधर ड्रायर
- (xxiv) औजार तेज करने की मशीन

5. तल्ला (शोल)

- (i) (सीएडी-सीएएम) तल्ले बनाने के लिए काम का केंद्र
- (ii) ड्राई कटिंग, मार्किंग मशीन (स्वचालित)
- (iii) ब्लेड के प्रकार की प्री-ईवनिंग (समतल करने से पहले की) मशीन
- (iv) खुरदरा करने और समतल बनाने की मशीन
- (v) बफिंग-स्कोरिंग मशीन
- (vi) हाथ वाली प्री-ट्रिभिग मशीन
- (vii) स्वचालित प्री-ट्रिभिग मशीन
- (viii) तल्लों अथवा आधे फोम के तल्लों के लिए ट्रिभिग मशीन
- (ix) किनारे टिम करने की मशीन
- (x) एन्टी-स्लिप लाईन्स बनाने के लिए ट्रिभिग मशीन
- (xi) खुरदरा करने की मशीन
- (xii) किनारे खुरदरे करने और बढ़ाने की मशीन
- (xiii) हील सीट रफिंग मशीन
- (xiv) आधे तल्ले के लिए खुरदरा करने (रफिंग) मशीन
- (xv) रबड़ के तल्लों तथा उस जैसी अन्य सामग्री के लिए हेलोजेनेटिंग मशीन
- (xvi) ब्रान्ड और नम्बर छापने के लिए स्टैम्पिंग मशीन
- (xvii) प्रसंस्करण चक्र के द्वारा एकीकरण करने के लिए स्टैम्पिंग मशीन
- (xviii) टॉके अलग करने और खोंचे बनाने के लिए सजावट करने वाली मशीन
- (xix) सॉफ्ट रोलर युक्त टॉप साइड सीमेन्टिंग मशीन
- (xx) पहले से ही तैयार किए गए तल्लों के किनारों हेतु प्रेशर-रोलर युक्त सीमेन्टिंग मशीन
- (xxi) सीमेंट फैलाने के लिए गन और ब्रश सहित प्रेशराइज़्ड टैंक
- (xxii) चिपकाने वाले पदार्थ को फैलाने की प्रणाली युक्त बर्कवेच (जल-आधारित और पॉलीयूथेन एडहेसिव)

- (xxiii) सबसे ऊपर के भागों के लिए इन्जेक्शन प्रेश
- (xxiv) तल्लों के किनारे जोड़ने की मशीन
- (xxv) वेल्ड (किनारा) जोड़ने की मशीन
- (xxvi) अनुप्रयोग के प्रारम्भ और अन्त में वेल्ड शैक्फरिंग
- (xxvii) मैनेज्ड रोटेशन परफार्मिंग मशीन
- (xxviii) रबड़ के तल्लों तथा उस जैसी अन्य सामग्री के लिए हेलोजेनेटिंग मशीन
- (xxix) ब्रान्ड और नम्बर छापने के लिए स्टैम्पिंग मशीन
- (xxx) प्रसंस्करण चक्र के द्वारा एकीकरण करने के लिए स्टैम्पिंग मशीन
- (xxxi) टाँकों को अलग करने और खोंचे बनाने के लिए सजावट करने वाली मशीन
- (xxxii) सॉफ्ट रोलर युक्त टॉप साइड सीमेन्टिंग मशीन
- (xxxiii) पहले से ही तैयार किए गए तल्लों के किनारों हेतु प्रेशर-रोलर युक्त सीमेन्टिंग मशीन
- (xxxiv) सीमेन्ट फैलाने के लिए गन और ब्रश के साथ प्रेशराइज़्ड टैंक
- (xxxv) छिपकाने वाले पदार्थ को फैलाने की प्रणाली युक्त बर्कवेंच (जल-आधारित और पॉलीयूरथेन एडहेसिव)
- (xxxvi) सबसे ऊपर के भागों के लिए इन्जेक्शन प्रेश
- (xxxvii) तल्लों के किनारे जोड़ने की मशीन
- (xxxviii) वेल्ड जोड़ने की मशीन
- (xxxix) अनुप्रयोग के प्रारम्भ और अन्त में वेल्ड शैक्फरिंग
- (xl) मैनेज्ड रोटेशन परफार्मिंग मशीन
- (xli) मैनेज्ड रोटेशन एज-सेटिंग मशीन
- (xlii) सोल ग्रेन साइड के लिए स्कोरिंग मशीन
- (xliii) स्कोरिंग मशीन, सोल एज और वेल्ड
- (xliv) हील और सोल को प्रोफाइल करने के लिए स्कोरिंग मशीन
- (xlv) सोल में वेल्ड अथवा गिड-सोल लगाने के लिए प्रेस
- (xlvi) हील-सोल फिटिंग के लिए प्रेस
- (xlvii) पहले से तैयार किए गए जूते के लिए स्वाचालित हील नेलिंग (एडी लगाने) की मशीन
- (xlviii) कनेक्शन रोटरी बेल्ड
- (xlix) सोल टर्निंग बेल्ड
- (l) स्वचालित कलेक्टर
- (li) लोडिंग/अनलोडिंग रोबोट
- (lii) सीमेन्ट सुखाने के लिए सोल-होल्डर स्वाइवेल

- (lil) अर्धघर ड्रायर
- (liv) परिवर्तनीय गति और टेम्पोराइज्ड स्टॉप्स युक्त थर्मोमैकेनिकल कन्वेयर
- (lv) हाथ वाला कन्वेयर, दबाने वाला

6. चमड़े के वेल्ट

- (i) विभिन्न सामग्रियों के ब्रान्डों को सुव्यवस्थित करने के लिए मशीन
- (ii) जोड़ों को मोथर करने के लिए मशीन
- (iii) खुरदरा करने की मशीन
- (iv) चैनलिंग मशीन
- (v) गुडईयर अनुप्रयोगों के लिए वेल्ट तैयार करने हेतु मशीन
- (vi) खाँचे बनाने की मशीन
- (vii) टाँके अलग करने की मशीन
- (viii) सीमेन्टिंग मशीन
- (ix) सीम प्रेस
- (x) सजावट के लिए सिलाई मशीन
- (xi) टाँके अलग करने की मशीन
- (xii) स्वचालित स्ट्रेइंग मशीन
- (xiii) मीटरों को लपेटने और गिनने की मशीन
- (xiv) वेल्ट के लिए स्वचालित सीमेन्टिंग और वाइंडिंग मशीन (काउन्टर के साथ)
- (xv) कच्चा माल

(VI) स्ट्रिप्स एजिंग भिन्न परफोरेटिंग मशीन

1. परफोरेटिंग मशीन
2. लगभग 1600 मि.मी. पोर्ट तक कटर
3. स्पाइरल स्ट्रैप कटर
4. टुकड़े काटने और नापने की मशीन
5. स्ट्रिप कटर ओर मल्टीपल वाइंडिंग मशीन
6. रोलर कटर
7. सीम प्रेस
8. सीम एवं वैंड स्काइविंग मशीन
9. थ्रू-फीड स्काइविंग मशीन
10. सीमेन्टिंग मशीन
11. टॉप साईड एज सीमेन्टिंग मशीन

12. भिगन के लिए सीमेन्ट हेतु मशीन
13. अवन
14. फार्मिंग मशीन
15. वाइंडिक स्पूलिंग मशीन
16. एन-आइटम्स के लिए ब्रेडिंग मशीन
17. सामग्री (चमड़ा एवं सांश्लेविक सामग्री)
18. एजिंग के लिए फोल्डिंग मशीन
19. एज-इंकिंग मशीन
20. पिघली हुई सामग्री फैलाते हुए भिगन्स एवं संभव सजावटी वस्तुएँ जोड़ने पर स्प्रेड एडहेसिव जोड़ने के लिए मशीन
21. प्लीस्टीकृत कपड़े के रोल्स पर स्प्रेड एडहेसिव जोड़ने के लिए मशीन
22. स्ट्रिप कलेक्टर
23. क्वाइल ट्रेस्टल

VII) एक्ससरीज - डाई कटर

1. पैटर्न सरकमफरेन्स मेजरिंग मशीन
2. पार्किंग मशीन (काठी और स्टील स्ट्रीप्स के लिए)
3. छेद करने के यन्त्रों तथा चुभन से संबंधित उपकरण
4. ब्रोचिंग मशीन
5. स्टील अथवा आयरन हेतु कैची
6. कापी सहित गर्ग रखने (चेकिंग) की मशीन
7. फाइनल क्लिकिंग प्रेस
8. फोल्डिंग मशीन
9. बेल्ट ग्राइंडर
10. ड्रिलिंग मशीन
11. मार्किंग मशीन
12. खांचा (नोच) इंडिकेटर
13. लिखने तथा खुदाई करने के लिए आलेखन करने वाला (प्लोटर)
14. वार्निशिंग टैंक
15. स्टील को आकार देने हेतु एजिंग शायर
16. तेज करने की (शार्पनिंग) मशीनें
17. वेल्डिंग बेंच
18. विविध एक्ससरीज

VIII) एक्ससरीज

1. मिश्र धातु को पिघलाने के लिए (विद्युत) भट्ठी
2. सेंट्रीफ्यूजिंग मशीन (आटोमेटिक साइकिल सहित)
3. सेंट्रीफ्यूगल कास्टिंग के लिए अन्तरण
4. बकल टंग मेकिंग मशीन
5. वल्केनाइजर
6. स्वतः अनलोडिंग सहित वाइबेटर
7. वेल्डिंग मशीन
 - (i) माउल्ड कलिंग टेबल
 - (ii) क्लिप्स हेतु माउल्ड्स
8. वर्क बेंच
9. बकल तथा कोस्टूम ज्वेलरी निर्माताओं के लिए एक्सास्ट बेंच
10. एनेमलिंग प्लांट

IX) गोलम्बर (लास्ट्स)

1. प्लास्टिक ब्लाक बनाने के लिए मशीन
2. इलैक्ट्रानिक गोलम्बर कोपिंग हेतु डिजीटिंग करना
3. एन सी रफिंग मशीन
4. मैकेनिकल रफिंग मशीन
5. लास्ट सीट के लिए मिलिंग मशीन
6. थिम्बल ड्रिलिंग मशीन
7. थिम्बल ड्राइविंग मशीन
8. प्लेटिड सीट बनाने के लिए मशीन
9. डस्ट एंड चिप सक्शन
10. वाइसिस सहित प्लेटिंग बेंच
11. न्यूमेटिक हेयर-आयरन प्लेट कटर
12. गोलम्बर (लास्ट) के लिए स्टील प्लेट कूटने तथा फिट करने के लिए मशीन
13. फिटिंग तथा लम्बाई की जांच करने हेतु डबल गेज
14. लास्ट संरचना की जांच करने के लिए उपकरण
15. औजार तेज करने (शार्पनिंग) की मशीन
16. लास्ट मोल्स बन्द करने हेतु एक्स्ट्रूडर
17. प्लेसिंग टनल
18. गॉडलों हेतु रफिंग फिनिशिंग मशीन

X) सिंथेटिक सामग्री हेतु मशीनें

1. शोल बनाने के लिए थर्मोप्लास्टिक सामग्री के लिए (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) इंजेक्शन मशीन और थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमर्स (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड), लाइनीयर
2. थर्मोप्लास्टिक सामग्री (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) तथा थर्मोप्लास्टिक के लिए इंजेक्शन मशीन
3. शोल बनाने हेतु इलास्टोमर्स (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) रोटरी
4. पूरी प्लास्टिक गदों के लिए थर्मोप्लास्टिक सामग्री (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) तथा थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमर्स (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड), लाइनीयर टाइप हेतु इंजेक्शन मशीन
5. पूरी प्लास्टिक गदों के लिए थर्मोप्लास्टिक सामग्री (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) तथा थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमर्स (रिजिड अथवा एक्स्पेंडेड) रोटरी हेतु इंजेक्शन मशीन
6. रबड़ के अपर्स, लीनियर पर सीधे इंजेक्शन हेतु मशीन
7. रबड़ के अपर्स, रोटरी पर सीधे इंजेक्शन हेतु मशीन
8. पी यू आर के अपर्स रोटरी पर सीधे इंजेक्शन हेतु मशीन
9. पी यू आर के अपर्स लीनियर पर सीधे इंजेक्शन हेतु मशीन
10. शोल बनाने के लिए ओपन गाउल्ड पी यू आर पोरिंग मशीन, लीनियर
11. शोल बनाने के लिए ओपन गाउल्ड पी यू आर पोरिंग मशीन, रोटरी
12. थर्मोफोर्मिंग फिक्सड टाइप के लिए ई वी ए मोल्डिंग मशीन
13. शोल बनाने के लिए फिक्सड रबड़ मोल्डिंग मशीन
14. टॉप लिफ्टस तथा हॉल्फ शोल बनाने के लिए
15. थर्मोप्लास्टिक सामग्री के लिए फिक्सड ऑटोमेटिक इंजेक्शन मशीन
16. मेटल गेल सहित टॉप लिफ्ट बनाने के लिए काम्पेक्ट
17. थर्मोप्लास्टिक सामग्री के लिए रोटरी ऑटोमेटिक इंजेक्शन मशीन
18. हील, टॉप लिफ्ट, शॉल, वेजिज, स्टिफनर्स तथा टॉप केपस बनाने के लिए काम्पेक्टर थर्मोप्लास्टिक सामग्री हेतु फिक्सड ऑटोमेटिक इंजेक्शन मशीन
19. लेदर कवर्ड हील तथा वेजिज तथा मेटल इन्सर्टस सहित गदों को बनाने के लिए थर्मोप्लास्टिक सामग्री (काम्पेक्ट तथा एक्स्पेंडेड) के लिए रोटरी ऑटोमेटिक इंजेक्शन मशीन
20. प्लास्टिक शेकस इंजेक्टिड सहित इन्सोल्स के उत्पादन हेतु काम्पेक्ट थर्मोप्लास्टिक सामग्री के लिए रोटरी ऑटोमेटिक इंजेक्शन मशीन
21. रफिंग रोबोट
22. सीमेंट स्प्रेडिंग रोबोट
23. रबड़ सोल के स्टेट इनटू अपर वल्केनाइजिंग हेतु मशीन
24. सोल के लिए कम्प्रेसन टाइप वल्केनाइजिंग प्रेस
25. बूटस के लिए कम्प्रेसन टाइप वल्केनाइजिंग प्रेस
26. गेनुअल ट्रिभिंग मशीन
27. ट्रिभिंग रोबोट
28. मल्टीकलर रबड़ फोक्सिंग हेतु एक्सट्रूडर, वेल्ड एक्सट्रूडर्स, एक और दो रंग के
29. माउल्डस पैट्रन्स
30. माउल्डस

अनुबंध ग

4. चमड़े की वस्तुओं के लिए मशीनों की सूची

I) मशीनरी

1. रिपलिटिंग मशीन
2. स्किविंग मशीन स्टेण्डर्ड
3. ज्वायंट स्किविंग किट सहित लगी हुई स्किविंग मशीन
4. क्लिकिंग मशीन
5. स्प्रे गलूइंग मशीन
6. स्ट्रेप कटिंग मशीन
7. लोगो स्टेंपिंग मशीन
8. स्ट्रेप एज फोल्डिंग मशीन
9. वर्टिकल एज डाइंग और पोलिशिंग मशीन
10. विभिन्न आकार के बटनों, रिबेटों तथा आइलेटों हेतु डाईयों सहित बटन रिबेटिंग मशीन
11. फ्रेम फिक्सिंग मशीन
12. पाइपिंग मशीन
13. सिलाई मशीन फ्लेट बेड
14. सिलाई मशीन सिलेंडर बेड विद अटेचमेंट
15. सिलाई मशीन पोस्ट बेड
16. सिलाई मशीन टुविन नीडल (डिसएन्गोजबल)
17. गहरी स्टिचिंग हेतु सिलाई मशीन हेवी ड्यूटी
18. सिलाई मशीन जिग जेग
19. स्टिच फ्लेटिंग मशीन
20. इंटरलाकिंग मशीन
21. हीट सेटर
22. फ्लेट प्लेटिंग मशीन
23. ब्रशिंग तथा फिनिशिंग मशीन
24. मशीनरी हेतु पुर्जे

II) सी ए डी सेक्शन

1. 21" कलर मानीटर्स एंड सी डी राइटर्स सहित कंप्यूटर्स
2. कलर प्रिंटर
3. फ्लेट बेड कटर तथा प्लॉटर
4. सॉफ्टवेयर कारल ड्रा, अडाब फोटोशॉप, आटो सी ए डी 3डी गेक्स
5. डिजीटल कैमरा
6. स्केनर

3. चमड़ा परिधान उद्योग हेतु मशीनों की सूची

1. फ्लेट बेड ड्रॉप फीड सिंगल निडिल
2. फ्लेट बेड ड्रॉप फीड डबल निडिल
3. पोस्ट बेड सिंगल निडिल - लोवर एन्ड निडिल फीड
4. पोस्ट बेड डबल निडिल - लोवर एन्ड निडिल फीड
5. बटन होलिंग मशीन
6. बार टेकिंग मशीन
7. पॉकेट वेल्डिंग मशीन
8. आइलेट बटन होल मशीन
9. इलैक्ट्रॉनिक पेड्रन सिलाई मशीन (कम्प्यूटरीकृत)
10. ओक्टागोनल नाइफ कटिंग मशीन
11. बास्टिंग मशीन
12. सिलेंडर बेड सिलाई मशीन
13. डेकोरेटिव स्टिचिंग मशीन
14. फ्यूजिंग मशीन
15. थ्रेड बर्नर

अनुबंध - ड

5. जीनसाजी (सैडलरी) हेतु मशीनों की सूची

क्रम संख्या	मशीन का नाम
1.	एज ट्रिमिंग मशीन
2.	ऑटोमेटिक एज इकिंग मशीन
3.	न्यूमेटिक स्ट्रेप एंड स्कार्फिंग मशीन
4.	ब्लेड शार्पिंग और एंड थिनिंग मशीन
5.	क्लिकिंग मशीन न्यूमेटिक
6.	स्पिलिटिंग मशीन
7.	स्ट्रेप कटिंग मशीन
8.	स्टेंपिंग मशीन
9.	एज ग्राइंडिंग और फिनिशिंग मशीन
10.	सीमेंटिंग (ग्लूइंग)
11.	हॉट एयर थ्रेड बर्नर
12.	हॉट क्रीजिंग मशीन
13.	डबल आइलेटिंग मशीन
14.	रिवेटिंग मशीन
15.	आटोमेटिक होल पंचिंग मशीन
16.	एज फोल्डिंग मशीन
17.	क्लिकिंग मशीन (हाइड्रोलिक) स्वींग आर्म
18.	होल पंचिंग मशीन
19.	सिलाई मशीन मैनुअल (फ्लेट बेड)
20.	स्किविंग हेवी ड्यूटी मशीन
21.	सिलाई मशीन मैनुअल (सिलेंडर आर्म)
22.	सिलाई मशीन सिंगल निडिल सिलेंडर बेड
23.	सिलाई मशीन डबल निडिल सिलेंडर बेड
24.	सिलाई मशीन सिंगल निडिल फ्लेट बेड
25.	सिलाई मशीन डबल निडिल फ्लेट बेड
26.	सिलाई मशीन (न्यूमेटिक)
27.	स्किविंग मशीन
28.	क्लिकिंग मशीन (हाइड्रोलिक) बीग प्रेस
29.	एम्बोसिंग मशीन (हाइड्रोलिक)
30.	ट्रेवलिंग हेड क्लिकिंग प्रेस
31.	डबल आइलेटिंग मशीन
32.	डबल फीड रिवेटिंग मशीन

फार्म : आईडीएलएस-1

चमड़ा क्षेत्र योजना के एकीकृत विकास के अन्तर्गत सहायता के लिए आवेदन फार्म

(तीन प्रतियों में प्रस्तुत किया जाये, फोटोकॉपी का प्रयोग कर सकते हैं)

1. फर्म/कंपनी का नाम -----
2. पी ए एन संख्या -----
3. अकेले गालिक/सहभागियों/निदेशकों के नाम -----

4. कार्यालय का पता -----

फोन ----- फैक्स -----
5. कारखाने (फैक्टरी) का पता -----

फोन ----- फैक्स -----
ई-मेल -----
6. उत्पादन सगावेशन/प्रारंभ होने की तारीख -----
7. गद(ओं) का विनिर्माण -----

- (क) उद्योग की किस्म ☐ चर्मशोधनशाला (टेनरी) ☐ फुटवियर संघटक (कंपोनेंट)
☐ फुटवियर ☐ चमड़े की वस्तुएं ☐ चमड़े के परिधान ☐ मिश्रित अन्य (उल्लेख करें)
- (ख) एन आई सी संख्या (एन आई सी कोड 1987 के अनुसार)

8 (क) मौजूदा क्षमता

(ख) आधुनिकीकरण के बाद प्रस्तावित/प्राप्त की गई क्षमता

9. पूर्व में कार्य निष्पादन (बेलेंस शीटों के लेखा-परीक्षा के आधार पर तीन वर्षों हेतु)

(क) वित्तीय स्थिति

(रुपये लाख में)

		वित्तीय वर्ष (वर्ष - 1)	वित्तीय वर्ष (वर्ष - 2)	वित्तीय वर्ष (वर्ष - 3)
I	नेट ब्लॉक			
II	चालू परिसंपत्तियां			
III	चालू देनदारियां			
IV	आवधिक ऋण			
V	शेयर पूंजी			
VI	आरक्षित तथा अतिरिक्त (कम समेकित क्षतियां)			
VII	कुल - (V+VI)			

(ख) कार्यशील परिणाम

(रुपये लाख में)

		वित्तीय वर्ष (वर्ष - 1)	वित्तीय वर्ष (वर्ष - 2)	वित्तीय वर्ष (वर्ष - 3)
I	कुल बिक्री			
II	कुल लाग (ब्याज तथा अवमूल्यन से पूर्व)			
III	अवमूल्यन			
IV	ब्याज			
V	संचालित लाग			
VI	कुल लाग (कर के पश्चात)			

10. योजना के अन्तर्गत आने वाली मशीनों के ब्यौरे

(आयातित मशीनों के मामले में लागत विदेशी मुद्रा तथा समतुल्य रूपों में दी जानी चाहिए)। (एक अलग अनुबंध दिया जा सकता है)

क्र.सं.	गशीनों का निर्माण (गेक) विवरण तथा विनिर्देशन	मात्रा	एकक की लागत (उद्धरण/ आपूर्ति इनवायस प्रोफार्मा के अनुसार)	आपूर्ति का स्रोत	कुल लागत

(ख) यदि गशीनें पहले ही प्राप्त कर ली गई हैं तो ऋण स्वीकृति की तारीख/स्वतः वित्तीयन के मामले में गशीनों के लिए आदेश की तारीख

(ग) अनुमानित बिक्री तथा उत्पाद शुल्क कर -----

(घ) गाड़ा और परिवहन तथा बीमा की अनुमानित लागत -----

(ङ) अनुमानित सीमा शुल्क दर -----

कुल (ग) + (घ) + (ङ) -----

11. योजना की कुल लागत (बैंक/वित्तीय संस्थानों द्वारा यथा अनुमोदित)-----

12. वित्त पोषण के कुल स्रोत (बैंक/वित्तीय संस्थानों द्वारा यथा अनुमोदित)-----

आवधिक लोन -----

अतिरिक्त शेयर पूंजी -----

आन्तरिक लागत बढ़ौतरी -----

13. आधुनिकीकरण पहल तथा अनुमानित परिणामों का संक्षिप्त विवरण : योजना के प्रयोजनों संबंधी योजनागत कार्य के कार्य क्षेत्र से संबंधित एक अलग टिप्पण जोड़ा जा सकता है।

14. पूरा करने के लिए समय सूची -----

15. रोजगार (मानव दिनों में)
 (क) गौजूदा
 (ख) प्रस्तावित
 (ग) कुल :
16. योजना के क्रियान्वयन हेतु वृद्धि संबंधी लाभ (क्षमता उपयोगिता, बढी हुई बिक्री, निर्यात, उत्पादन की लागत में कमी, उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता उन्नयन, प्रदूषण मानकों की प्राप्ति के बारे में दर्शाये। मात्रात्मक परिणाम दें)

घोषणा

हम एतद्वारा घोषणा करते हैं कि ऊपर दी गई सूचना तथा संलग्न विवरण तथा अन्य कागज हमारे ज्ञान के अनुसार सत्य तथा सही हैं।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर :

नाम तथा पदनाम :

फार्म : आईडीएलएस-II**बैंक/वित्तीय संस्थान/सिडवी की सिफारिशें**

1. यह प्रमाणित किया जाता है कि जहां तक हगारी जानकारी है उपरोक्त कथन सत्य हैं।
2. संबंधित को आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू करने के लिए रुपये का आवधिक ऋण स्वीकृत किया गया है। (स्वः वित्त पोषण की स्थिति में दर्शायें)
3. रुपये की सहायता के लिए पात्र गशीनों की कुल लागत
4. योजना के उपबंधों के अनुसार इस योजना के अन्तर्गत रुपये की वित्तीय सहायता की सिफारिश की जाती है।
5. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस योजना के अन्तर्गत प्राप्त की गई सहायता को बैंक/वित्तीय संस्थान के बकायों के लिए समायोजित नहीं किया जायेगा और उधार लेने वाले के खाते में डाला जायेगा तथा इस योजना के तहत सहायता के लिए पात्र गशीनों हेतु विनियमित ऋण के संघटक (कंपोनेंट) के लिए समायोजित किया जायेगा।
6. निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न हैं :
 (क) ग्यूल्यांकन झापन
 (ख) स्वीकृती पत्र (बैंक ऋण के मामले में)

स्थान :

हस्ताक्षर

दिनांक :

बैंक/वित्तीय संस्थान के
अधिकारी का नाम तथा पदनाम

फार्म : आईडीएलएस-III

चमड़ा क्षेत्र योजना के एकीकृत विकास के अन्तर्गत सहायता
 दी गई इकाइयों के कार्य निष्पादन संबंधी तिमाही रिपोर्ट
 ----- तिमाही के लिए रिपोर्ट

1	औद्योगिक उपक्रम का नाम तथा पता (i) इकाई का स्थापना स्थल (ii) पी ए एन संख्या	
2	आई डी एल एस योजना के अन्तर्गत अनुदान के अनुगोदन की तिथि	
3	इकाई के उत्पादन शुरू होने की तारीख	
4	विनिर्माण की गदें (i) एन आई सी संख्या/ओं (एन आई सी, 1987 के तहत यथा परिभाषित गद के कोड विनिर्दिष्ट करें) (ii) गौजूदा क्षमता आधुनिकीकरण के बाद कुल क्षमता	
5	(क) औ.नी. और सं. विभाग द्वारा स्वीकृत की गई वित्तीय सहायता की राशि (रुपये में)	

	(ख) संयंत्र तथा मशीनरी में आधुनिकीकरण हेतु कुल रांची निवेश		
6	आधुनिकीकरण प्रक्रियाओं के पूरा होने की स्थिति		
	(क) आधुनिकीकरण के पूरा होने की नियत तिथि		
	(ख) क्या प्रगति निश्चित समय के अनुरूप है, यदि नहीं तो विलंब के कारण तथा आधुनिकीकरण के पूरा होने की अनुमानित तिथि		
7	कार्यशील परिणाम	पूर्व में रिपोर्ट करने की अवधि के अनुसार (पिछली तिमाही)	वर्तमान रिपोर्ट अवधि के अनुसार
	(क) कुल उत्पादन ii) मात्रा में iii) मूल्य में		
	(ख) कुल बिक्री i) मात्रा में ii) मूल्य में		

घोषणा

घोषणा की जाती है कि जहां तक हगारी जानकारी है उपरोक्त सूचना सत्य और सही हैं।

स्थान :

(प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर)

दिनांक :

नाम

पदनाम

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
(खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 2005

संकल्प

संख्या ई-11015/2/2003-हिन्दी : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के संबंध में दिनांक 5 जनवरी, 2005 और 28 फरवरी, 2005 के समसंख्यक संकल्प के क्रम में 'संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि' शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्या 8 के सामने उल्लिखित श्रीमती सरला माहेश्वरी, संसद सदस्य (राज्य सभा) के स्थान पर निम्नलिखित संसद सदस्य को समिति में सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है:-

श्री अनिल बसू
संसद सदस्य (लोक सभा)

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, लेखा नियंत्रक, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन-साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

अनीता चौधरी
संयुक्त सचिव

संस्कृति मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 2005

संकल्प

सं. एफ. 12-1/2005-ए एंड ए--

भारत सरकार ने भलीभांति विचार करने के बाद “मानव आनुवंशिक संसाधन एवं डाटा” पर एक राष्ट्रीय भंडार स्थापित करने के लिए एक राष्ट्रीय सलाहकार समिति गठित करने का निर्णय किया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :-

	सदस्य	
1.	डॉ. एस. एस. अग्रवाल (मानद परामर्शदाता, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ)	अध्यक्ष
2.	डॉ. पी. एस. चौहान (चिकित्सा वैज्ञानिक)	सदस्य
3.	डॉ. लालजी सिंह (निदेशक, सेन्टर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलीक्यूलर बायोलोजी, हैदराबाद)	सदस्य
4.	डॉ. के. कश्यप (न्यायालयिक विशेषज्ञ)	सदस्य
5.	डॉ. उल्लास वाघ (कोशिकारसायन विशेषज्ञ)	सदस्य
6.	प्रो. ई. हरिबाबू (सामाजशास्त्री)	सदस्य
7.	प्रो. एस. आर. वालिम्बे (प्राचीन डी एन ए विशेषज्ञ)	सदस्य
8.	प्रो. पी. पी. मजूमदार (मानव जीनोम विशेषज्ञ)	सदस्य
9.	श्री राजीव धवन (कानून विशेषज्ञ)	सदस्य

	पदेन सदस्य	
1.	संस्कृति मंत्रालय - प्रभारी निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	सदस्य सचिव
2.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय - निदेशक, डीबाटी	सदस्य
3.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - वरिष्ठ उपमहानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर)	सदस्य
4.	रक्षा मंत्रालय - निदेशक, डायरेक्टोरेट आफ लाइफ साइंसेस, डी आर डी ओ	सदस्य
5.	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय - प्रतिनिधि	सदस्य

समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार होंगे :-

1. “मानव आनुवंशिक संसाधन एनं डाटा” हेतु स्थायी राष्ट्रीय भंडार स्थापित करने पर विचार करना, मूल्यांकन करना और सिफारिश करना।
2. राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार के स्थापन कार्य से जुड़े विनियामक मुद्दों का सुझाव देना।
3. अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार डी एन ए, सेल लाइन्स तथा प्राचीन कंकाल सामग्री के संग्रहण और भंडारण से जुड़े सहमति, बौद्धिक संपदा अधिकार, लाभ में हिस्सेदारी, अनुसंधान, सामग्री हस्तानांतरण करार (एम टी ए) आदि सहित नैतिक, सामाजिक और कानूनी मुद्दों पर विचार करना और सिफारिश करना।
4. नीतिगत मुद्दों सहित भंडार के प्रचलन संबंधी पहलुओं के बारे में सुझाव देना।
5. समिति के गठन की तारीख से छः माह के भीतर अंतिम रूप से तैयार रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एल. रिंजाह
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
New Delhi-110003, the 25th November 2005

NOTIFICATION

No. IV-14014/7/2004-NI-II.—

Government of India created a new category of languages as 'Classical Languages' vide Notification No.IV-14014/7/2004-NI-II dated 12th October, 2004 read with the Corrigendum Notification dated 29th October 2004 and the following criteria was laid down to determine the eligibility of languages to be considered for classification as a 'Classical Language' :-

- (i) High antiquity of its early texts/recorded history over a thousand years.
- (ii) A body of ancient literature/texts, which is considered a valuable heritage by generations of speakers.
- (iii) The literary tradition be original and not borrowed from another speech community.
- (iv) The classical language and literature being distinct from modern, there may also be a discontinuity between the classical language and its later forms or its offshoots.

2. Tamil Language was notified as a 'Classical Language' vide para 3 of the aforesaid Notification dated 12th October, 2004.

3. The Government of India has now decided to amend para 2 (i) of the Notification dated 12th October, 2004 so to read as under :-

“High antiquity of its early texts/recorded history over a period of 1500-2000 years”.

4. It is also notified that ‘Sanskrit Language’ satisfies the above criteria and will be classified as a ‘Classical Language’.

5. All other provisions of the Notification dated 12th October, 2004 will remain unchanged.

6. The Ministry of Culture will take all further steps required to follow up and implement the above decisions.

JAGRAM
Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 22nd November 2005

RESOLUTION

No.F.11011/5/2004/HIC. Consequent upon the expiry of the tenure on the 19th July, 2004 of Hindi Salahkar Samiti for the Department of Economic Affairs (including Banking and Insurance) constituted vide this Department's resolution No.11011/5/94-HIC dated 20.07.2000, the Government of India has decided to re-constitute the said Hindi Salahkar Samiti for the Department of Economic Affairs (including Banking and Insurance). The composition and the functions etc. of the committee will be as under:

I. COMPOSITION

- | | |
|---|---------------|
| 1. Finance Minister | Chairman |
| 2. Minister of State in the Ministry of Finance | Vice-Chairman |

Non-official members

(Members of Parliament nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs)

- | | |
|------------------------------|-------------|
| 3. Shri Dava Narbula | Lok Sabha |
| 4. Shri Salim Iqbal Sherwani | Lok Sabha |
| 5. Shri Santosh Bagrodiya | Rajya Sabha |
| 6. Shri Lekhraj Bachani | Rajya Sabha |

(Members of Parliament nominated by Committee of Parliament on Official Language)

- | | |
|-------------------------------|-----------|
| 7. Shri Anil Basu | Lok Sabha |
| 8. Dr. Lakshi Narayan Panday, | Lok Sabha |

Other non-official members:-

9. Shri Ramesh Chandra Joshi, Representative, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, XY-68, Sarojini Nagar, New Delhi.
10. Prof. Anant Ram Tripathi, Pradhan Mantri, Rashtrabhasha Prachar Samiti, Hindinagar, Vardha (Maharashtra)-442003.

Members nominated by Department of Economic Affairs

11. Dr. V.R. Jagannathan, Ex. Director, Indira Gandhi National Open University, 106, South Park Apartments, Kalkaji, New Delhi-110019.
12. Dr. Lakshman Singh "Batrohi", Prof./ Dean, Arts Faculty, Kumaun University, Nainital.
13. Shri Rajendra Avasthi, Sahityakar and Ex. Editor, Kadmbini, F-12, Jangpura Extention, New Delhi-110014.
14. Ms. Mrinal Pandey, Senior Journalist and Editor, Dainik Hindustan, Hindustan Times House, 18-20 K.G. Marg, New Delhi.

Members nominated by Department of Official Language

15. Shri Chandradhar Tripathi, A-2/77, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029.
16. Shri Ranjit Fattesingh Chauvan, 31 North Shivaji Nagar, Near Congress House, Sangli, Maharashtra-416416
17. Shri Anuj Bhardwaj, House No. A-16/5 Chetram Gali, Maujpur, Delhi-110053

Official Members:-

- | | | |
|-----|---|--------|
| 18. | Secretary, Department of Economic Affairs | Member |
| 19. | Secretary, (Financial Sector), Department of Economic Affairs. | Member |
| 20. | Hindi Advisor and Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs. | Member |
| 21. | Additional Secretary(EA), Department of Economic Affairs. | Member |
| 22. | Additional Secretary(Financial Sector), Department of Economic Affairs | Member |
| 23. | Governor, Reserve Bank of India. | Member |
| 24. | Chairman, Indian Bank Association. | Member |
| 25. | Chairman, State Bank of India. | Member |
| 26. | Chairman, Insurance Regulatory & Development Authority. | Member |
| 27. | Chairman, Security and Exchange Board of India (SEBI). | Member |
| 28. | Chairman, Life Insurance Corporation of India. | Member |
| 29. | Chairman, ZIPSA. | Member |
| 30. | Joint Secretary (Budget), Department of Economic Affairs. | Member |
| 31. | Joint Secretary(Capital Market, Currency and Coinage), Department of Economic Affairs. | Member |
| 32. | Joint Secretary(Administration), Financial Sector | Member |

- | | | |
|-----|--|------------------|
| 33. | Joint Secretary, Department of Official Language,
Ministry of Home Affairs. | Member |
| 34. | Chairman, Joint Official Language Implementation
Committee of printing Presses and Mints. | Member |
| 35. | Director (O.L.), Department of Economic Affairs. | Member |
| 36. | Joint Secretary (Admn.); Department of Economic
Affairs. | Member Secretary |

II. FUNCTIONS

The Samiti shall advise the Department on matters relating to the progressive use of Hindi for Official purposes.

III. TENURE

The term of the Samiti will be three years from the date of its formation, provided that:-

- i) A Member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament; and
- ii) Member appointed against mid-term vacancies shall be for the remaining period of three years only.

IV. GENERAL

The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

V. TRAVELLING AND OTHER ALLOWANCES

The Non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti as per the guidelines given in Department of Official Language Office Memorandum No. II/20034/4/86/OL/(K-2) dated 22nd January, 1987 and the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this resolution be communicated to President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, all members of the Samiti and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that this resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADHUSUDAN PRASAD
Jt. Secy.

(DEPARTMENT OF DISINVESTMENT)

New Delhi, the 23rd November 2005

Complex,
New Delhi

No. 2/3/2005-DD-II.—

RESOLUTION

In pursuance of the policy laid down in the National Common Minimum Programme, the Government of India has decided to constitute a separate fund, with the name and style of the 'National Investment Fund', with the following objectives, structure, investment strategy and administrative arrangements.

A Objectives:

- (i) The proceeds from disinvestment of Central Public Sector Enterprises will be channelised into the National Investment Fund which is to be maintained outside the Consolidated Fund of India.
- (ii) The corpus of the National Investment Fund will be of a permanent nature.
- (iii) The Fund will be professionally managed to provide sustainable returns to the Government, without depleting the corpus. Selected Public Sector Mutual Funds will be entrusted with the management of the corpus of the Fund.
- (iv) 75% of the annual income of the Fund will be used to finance selected social sector schemes, which promote education, health and employment. The residual 25% of the annual income of the Fund will be used to meet the capital investment requirements of profitable and revivable CPSEs that yield adequate returns, in order to enlarge their capital base to finance expansion/diversification.

B. Structure and Administrative Arrangements:

The National Investment Fund will be operated by the selected Fund Managers under the 'discretionary mode' of the Portfolio Management scheme, which is governed by the SEBI guidelines. The entire work of the National Investment Fund will be supervised by Chief Executive Officer (CEO) of the Fund, an officer of the rank of Joint

Secretary / Additional Secretary to the Government of India. A part time Advisory Board consisting of three eminent persons, with the requisite expertise to be appointed by the Government, would advise the CEO on various aspects of the functioning of the Fund.

C. Investment Strategy:

- (i) The broad investment strategy is to provide sustainable returns without depleting the corpus.
- (ii) The investment strategy for the Fund will be formulated by the Chief Executive Officer (CEO) based on the advice of the Advisory Board so as to ensure that Government has a hands-off relationship in terms of the actual investment to be done by the Fund Managers.
- (iii) Only broad guidelines are to be provided under the “discretionary mode” to the Fund Managers, within which individual investments would be made independently by the Fund Managers. More detailed guidelines specifying investment instruments and limits for investment in such instruments will be separately specified in the agreements to be entered into between the Fund Managers and the Chief Executive Officer of the Fund on behalf of the Government.
- (iv) Other operational details such as allocation of funds to the selected Fund Managers, negotiations of management fee and charges to be paid to the Fund Managers, etc. will be also decided by the CEO based on the advice of the Advisory Board.
- (v) Appropriate mechanisms for regular review and monitoring of the functioning of the Fund, emerging market trends and future prospects will be instituted.

D. Accounting Procedure:

- (i) The receipts from disinvestment of CPSEs will be deposited in the Consolidated Fund of India (CFI) under the designated Head. Thereafter, these amounts would be appropriated from the CFI, with due approval, by the Department of Disinvestment and transferred to the selected Fund Managers through CEO of the Fund.

- (ii) Income from the Fund will similarly be deposited in the CFI and would be appropriated from it for specific purposes as per the scheme of appropriation approved from time to time by the Department of Expenditure.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all Ministries Departments of the Government of India.

ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

SAURABH CHANDRA
Jt. Secy.

MINISTRY OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi, the 23rd November 2005

No.A-42011/1/2005-Admn.II..... In exercise of powers conferred by Clause (ii) of sub-section(1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorise the following officers for the purpose of inspection under Section 209A:-

- (1) Shri RC Meena, Joint Director(Inspection), Office of Regional Director, Noida who has assumed the charge of the post of JD(I) on 13.05.2005.
- (2) Shri BKL Srivastava, Deputy Director(Inspection), O/o Regional Director, Noida who has assumed the charge of the post of DD(I) on 29.11.2004.
- (3) Shri RK Meena, Deputy Director(Inspection), Office of Regional Director, Noida who has assumed the charge of the post of DD(I) on 11.05.2005
- (4) Shri T Pandian, Deputy Director(Inspection), Office of Regional Director, Kolkata, who has assumed charge of the post of DD(I) on 10.06.2005
- (5) Smt. MS Karambe, Deputy Director(Inspection), O/o Regional Director, Mumbai who has assumed charge of the post of DD(I) on 31.05.2005.
- (6) Shri Sanjay Yadav, Assistant Director(Inspection), O/o Regional Director, Noida who has assumed the charge of the post of AD(I) on 03.06.2005.
- (7) Shri Bhullan Singh, Assistant Director(Inspection), O/o Regional Director, Noida who has assumed the charge of the post of AD(I) on 08.06.2005.
- (8) Smt. HA Soj, Assistant Director(Inspection), Office of Regional Director, Mumbai, who has assumed charge of the post of AD(I) on 30.06.2005.
- (9) Smt. AB Athavale, Assistant Director(Inspection), Office of Regional Director, Mumbai, who has assumed the post of AD(I) on 04.05.2005.

RAVINDER DUTT
Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL POLICY &
PROMOTION)

New Delhi, the 3rd November 2005

No.5(18)/2002-Leather - Consequent upon recommendations of Working Group on Leather and leather goods industry set up the Planning Commission of India under 10th Five Year Plan (2002-07), it is hereby notified that the Government of India have formulated the Integrated Development of Leather Sector Scheme (IDLS) under the Indian Leather Development Programme (ILDP) with an outlay of Rs. 290 crore for modernisation and technology up gradation in all the segments of Leather Industry, namely, tanneries, footwear, footwear components, leather goods and garments. An Office Memorandum of even number dated 3rd November, 2005 containing guidelines for implementation of the scheme has been annexed to the notification.

CHANCHAL KUMAR
Dy. Secy.

OFFICE MEMORANDUM

Sub: Integrated Development of Leather Sector.

No. 5(18)/2002-Leather.—

The Indian Leather Industry occupies a unique position in the Indian economy in terms of its contribution to employment and export potential. In spite of a strong raw material base, India's share in the global market is a meagre one. The experts have emphasized the need for capital infusion capacity addition and modernization in various segments of the leather sector to bring about efficiencies and economies of scale in order to achieve increased share in global markets.

2. Based on the assessed need of the leather sector, a comprehensive scheme for modernization and technology up gradation in all the segments of the Leather Industry, namely tanneries, footwear, footwear components, saddlery, leather goods and garments, with an outlay of Rs. 290 crore has been approved by the Government. The Scheme titled "Integrated Development of Leather Sector" (IDLS) will be implemented during the 10th Plan Period (2002-2007). The scheme will be applicable with immediate effect i.e. 3rd November, 2005.

Eligibility

3. All existing units in tanneries, leather product, leather footwear and footwear components sector undertaking viable and bankable programs on technology up-gradation on or after 3rd November, 2005 are eligible for assistance under this Scheme.

Financial Assistance

4. The financial assistance envisaged under the Scheme will consist of grant to the extent of 30% of the cost of plant and machinery for SSI and 20% of cost of plant & machinery for other units (i.e. non-small scale units) subject to a ceiling of Rs. 50 lakh for both categories for technology up-gradation/modernization and/or expansion. Investment grant would also be available to the units investing their own resources.

Implementation Arrangements

5. The scheme will be implemented through two PIUs one at CLRI, Chennai for tannery and another at FDDI, Noida for leather goods and garments, saddlery, leather footwear and footwear component. SIDBI would be the nodal agency for the Scheme. Any industrial unit desirous of availing financial assistance under this Scheme would apply in the prescribed form to the concerned PIU i.e FDDI, Noida and CLRI, Chennai for respective leather sectors. After technical appraisal, PIU would return the application back to the unit within fifteen days. The unit then would apply to the concerned bank for loan. The bank after financial appraisal of the project would accord its sanction and will forward the application along with formal sanction to the concerned PIU. The same will then be submitted by PIU to the Steering Committee and the sanction of financial assistance under the Scheme would be accorded by the Steering committee. PIU will serve as the Secretariat for the Steering Committee.

Composition of the Steering Committee is specified in the detailed guideline enclosed with the O.M.

Release of Fund

6. Financial assistance will be released by SIDBI only after the arrival of machines at site.

Project Monitoring and Evaluation

7. Department of Industrial Policy & Promotion will periodically monitor and review the progress of the Scheme. The guidelines for the Scheme are enclosed.

CHANCHAL KUMAR
Dy. Secy.

GUIDELINES**Sub: Integrated Development of Leather Sector (IDLS)****1.0 Objective**

The Indian Leather Industry occupies a unique position in the Indian economy in terms of its contribution to employment and export potential. In spite of a strong raw material base, India's share in the global leather trade is a meagre one. As Leather Industry in India was reserved for Small Scale Sector for a very long time, the level of investment in the Leather Sector is very low resulting in smaller production base, poor productivity. Obsolete technology, lack of standardization and poor marketing infrastructure has been other factors associated with the sector not growing to its potential. Given the significance of this Industry to the overall health of the Indian economy, its employment potential and historical backlog of technology up-gradation, it has been emphasized by experts that in order to assist and improve its competitiveness in the global market, it is essential for the Leather Industry to have access to timely and adequate capital in order to up-grade its technology level.

In light of the foregoing the present scheme is aimed at enabling existing tanneries, footwear, footwear components and leather products units to upgrade leading to productivity gains, right-sizing of capacity, cost cutting, design and development. The scheme targets creation of positive ambience for technology up gradation and environmental impact for attaining global competitiveness through productivity gains, minimization of wastages, right sizing of capacity, cost cutting, design and development etc.

2.0 Eligibility Criteria

All existing units in leather and leather products including tanneries, leather goods, saddlery, leather footwear and footwear component sector undertaking viable and bankable programmes on technology up-gradation on or after the date of notification are eligible for assistance. Any unit in existence for at least three years and having cash profits for at least two years on 3rd November, 2005 would be considered as an existing unit.

2.2 Modernization programmes funded by SIDBI/Banks as well as those programmes undertaken by existing production units from their own resources will be eligible for assistance.

2.3 Financial assistance under the Scheme shall be available only for such projects in which the loan has been sanctioned by SIDBI Banks/FIs on or after 3rd November, 2005 of the scheme under the present guidelines. In the case of self-financed

modernization scheme financial assistance under the scheme shall be available only for such projects where the order for the purchase of machinery has been placed on or after 3rd November, 2005 and subject to necessary documents being filed as per format while making the application under the present scheme.

2.4 Existing units, relocating to new locations, seeking modernization expansion packages, inclusive of solutions to environmental problems, will also be eligible.

2.5 The project submitted by the concerned unit should be assessed to be a financially viable and bankable project. The project should lead to:

- [i] Demonstrable increase in unit value realization and/or
- [ii] Production capacities and/or
- [iii] Better compliance of pollution control norms.

3.0 SCOPE OF THE SCHEME

Technology Up-gradation will include the following:

3.1 Measures for technology up-gradation, productivity enhancement, improved environmental safeguards, global competitiveness through cost control and minimization of waste.

3.2 Measures for up-gradation and modernization of machinery facilities including in plant lay-out and civil and associated electrical work relating to foundation of machinery facilities but excluding building and other related infrastructure.

3.3 Measures for product diversification by way of design and development, hardware and technology support including IT solutions and net working and E Governance.

3.4 Measures for improvement in plant ecology, up gradation of leather finishing facilities and worker safety.

3.5 Measures for implementation of secure environmental management plans at the individual production unit levels including replacement of pit technology in tanneries or installation of in plant pollution control devices such as chrome recovery.

3.6 Measures for quality control and testing systems as well as any obligatory measures stipulated by government regulations for individual production enterprises at unit level.

3.7 Addition of closing room facilities for footwear upper units and creation of production facilities for footwear components.

3.8 Creation of in house R & D and testing facilities and establishment of sample making facilities.

3.9 Installation of the following types of machinery in an existing unit by way of replacement of existing machinery and/or expansion will be eligible for coverage under the scheme.

- | | |
|---|--------------|
| i. Modernization of Tanneries | - Annexure-A |
| ii. Modernization of footwear units &
Modernization of footwear components units | - Annexure-B |
| iii. Modernization of leather goods | - Annexure-C |
| iv. Modernization of leather garments | - Annexure-D |
| v. Modernization of saddlery units | - Annexure-E |

3.10 Steering committee may seek the advice of National institutions for considering any other activity not listed above and machines not specified in the current guidelines for inclusion under Modernization scheme provided that they lead to visible and viable improvements leading to technology up gradation. Similarly, the Steering Committee may delete an activity/list of machineries on the advice of expert institution. However, diversification will be treated as new venture and not allowed.

3.11 Existing units will have the option to go for single or multiple activities as mentioned above with overall assistance limit of 50 lakhs. Modular efforts to modernization will be permitted generally with a time interval of at least six months between applications and on the successful completion of the earlier modules of modernization. However, Steering committee will take a view on applications for modernization in multiple numbers of times based on a) fair and equitable assistance to first time applicants and b) competitive merit of the applicant as evidenced by financial appraisals by FIs/Banks/SIDBI and technical appraisal.

4.0 QUANTUM AND NATURE OF ASSISTANCE.

4.1 The financial assistance under the Scheme will be investment grant to the extent of 30% of cost of plant and machinery for SSI and 20% of cost of plant and machinery for other units (i.e. non SSI units) subject to a ceiling of Rs. 50 lakh for technology up gradation /modernisation and/or expansion. Investment grant would also

be available to units investing their own resources. For the purpose of this Scheme, the definition of small-scale industry would be the same as notified by the Government on the date of sanction of the project. The cost of up gradation under the scheme will include:

- Bill value of machines,
- Sales and excise tax,
- Transportation and transit insurance cost,
- Import related duty,
- Installation and commissioning charges including civil and electrical work restricted to 5% of total land cost of machine.

5.0 Implementation Mechanism

5.1 Administrative and Monitoring Setup

5.1.1 The implementing agency would be in the form of an administrative unit of the Department called the Project Implementation Unit (PIU) of the Integrated Development of Leather Sector. In view of larger scope of the scheme PIU will function from two centres one at CLRI, Chennai for Tanneries and other at FDDI, Noida for footwear, footwear components, saddlery, leather goods and garments and saddlery.

5.1.2 The nodal agency for release of assistance, monitoring and interface and coordination with FIs, Banks and the Government would be SIDBI.

5.1.3 There will be a Steering Committee for implementation of the scheme whose mandate would be to ensure effective implementation of the scheme. Its scope would be to lay down procedures, decide normative prices for standard plant and machineries required for the modernisation programme, accord sanction of financial assistance from Government, and monitor and follow up disbursement of financial assistance from Government to the industrial units. It will comprise of:

- JS, (Leather) DIPP as the Chairman and
- Nominee of SIDBI
- Nominee of CLRI
- Nominee of CLE
- Nominee of FDDI
- Representative of DC-SSI
- Representative of finance Wing of DIPP
- Representative on Industry (Footwear and footwear component)
- Representative of Industry (Tannery)

- Representative of Industry (Leather goods and garments)
- Representative of Industry (Saddlery)
- Director/DS (Leather)-Convener
- Other invitees as co-opted by the Chairman

5.2 Procedure For Application

5.2.1 Any industrial unit desiring to avail itself of the Government financial assistance will have to apply for assistance in a prescribed application form (IDLS-I) in triplicate to the concerned PIU. Declaration on the form should be unconditionally supported by an affidavit. PIU shall acknowledge the receipt of application and allot a registration number. PIU shall complete the technical appraisal of the application received and shall send the application along with its recommendation to the applicant within 15 days of the receipt of the application.

5.2.2 The unit shall then apply to the concerned Bank/FI in the prescribed form for loan.

5.2.3 The bank on sanction of loan will forward the application with their comments and recommendations as well as letter of sanction to PIU preferably within a month (IDLS-II).

5.2.4 PIU will then present the applications along with financial appraisal from bank and technical inputs from PIU to Screening Committee for decisions and approval.

5.2.5 The sanction of financial assistance under the Scheme will be accorded by the Steering Committee. Both technical appraisal and bankability appraisal by SIDBI/Bank will be taken into consideration prior to the sanctions of the assistance in the form of investment grants. The decision would be conveyed by the DIPP to SIDBI and the sponsoring Bank concerned under intimation to the applicant within a week of the decision of the Steering Committee.

5.2.6 In case of projects involving no loan component, the industrial unit will be required to apply in a prescribed form directly to SIDBI and they would forward the same to the DIPP along with their specific recommendations and appraisal note. The Government's financial assistance would be released through SIDBI on the basis of the site inspection report of SIDBI. The requisite documents shall also be submitted for the approval of the Steering Committee prior to disbursement of Governmental financial assistance.

5.2.7 On the commencement of the Scheme an advance amount would be placed directly at the disposal of SIDBI. Subsequent releases would be made on a recoupment

basis as per the actual. The Screening Committee would periodically review the requirement of assistance as well as disbursal for release of funds to SIDBI.

5.2.8 PIU will be responsible to the DIPP for providing technical and other assistance in the implementation of the scheme. PIU will serve as the implementation arm of DIPP and assist the Department in speedy action, development of relevant database including the lists of devices; sources of machineries etc. as well as documentation required for efficient monitoring of the projects. PIU will serve as the link between the industrial unit and the DIPP on matters relating to the applications for assistance.

6.0 Other Terms & Conditions:

6.1 The Bank/SIDBI will get an agreement executed on behalf of Government of India with the industrial unit prior to disbursement of financial assistance. Financial assistance will be released by the Banks concerned only on arrival of machines at site and after execution of the agreement on behalf of the Government of India and will be limited to 30% and 20% of the cost of machines (for SSI and non SSI respectively) as stated in the terms of agreement.

6.2 The Government financial assistance cannot be utilized for purposes other than for which it has been sanctioned. The amount released by the Government cannot be utilized towards adjustment of default in repayment of principal and payment of interest by the borrower.

6.3 After completion of the modernisation programme, the industrial unit will be required to submit a completion certificate to SIDBI. The format of the certificate would be decided by the Steering Committee.

6.4 From the date of completion, up to two years, the industrial unit availing the Government financial assistance will be required to submit operational and performance details in form IDLS III to SIDBI who would appraise the Steering Committee of the same.

6.5 In case the industrial unit becomes non-operational within two years of the receipt of Government financial assistance, it will be liable to refund the financial assistance availed, along with the interest to be charged from the date of closure till the date of refund at the prime lending rate of SIDBI (as the case maybe). In case of non-compliance, the Bank concerned will take necessary legal action.

6.6 In case at any time it is found that financial assistance from Government has been availed of on the basis of any false information, the industrial unit shall be liable to refund the amount of Government financial assistance, along with interest to be

charged, from the date of disbursal to date of refund. The rate of interest shall be the prime lending rate of the Bank concerned at the time of invoking this penal clause.

6.7 The overall implementation of the Scheme would be reviewed by the Administrative Department i.e. Department of Industrial Policy & Promotion periodically.

1. LIST OF TANNERY MACHINES

Annexure -A

I. Pre tanning & Tanning machines

1. Paddle
2. Wooden Drum
3. Fleshing machine
4. Scudding machine
5. Suspender & Handler (for Vegetable Tanning)
6. Sample drum

II. Post tanning

1. Sammying machine
2. Splitting machine
3. Shaving machine
4. Wooden Drum
5. Steel Drum
6. Reversible setting out machine
7. Vacuum dryer
8. Toggling unit
9. Drying chamber
10. Drying conveyor with hangers
11. Vibratory staking machine (MOLISSA)
12. Slocomb staking machine
13. Dry drum
14. Dry shaving
15. Buffing & snuffing machine
16. Dust removing machine

III. Finishing machines

1. Spray booth with spray guns (for hand spray)
2. Auto spraying machine with conveyor
3. Hydraulic press with plates
4. Roller coater with conveyor
5. Curtain coater with conveyor
6. Roto press
7. Felt polishing machine
8. Stone polishing machine
9. Glazing machine
10. Finiflex machine
11. Area measuring machine

- IV. Leather dry cleaning plant
- V. Effluent treatment plant
- VI. Leather testing equipments

Annexure- B

2. LIST OF FOOTWEAR AND COMPONENTS MACHINES

I) PATTERN MAKING AND CUTTING MACHINE - PATTERN MAKING

1. CAD System
2. Hand-operated cutter
3. Electric pantograph
4. Numeric control for fibred cardboard series cutting
5. Micro-clicking press with turning arm
6. Computer aided cutting table for setting
7. Shoe last thermoforming machine
8. Model area measuring machine

II) CUTTING

1. Arm-type clicking press
2. Arm-type clicking press with automatic movement
3. Beam press
4. Traveling head press
5. NC die-cutting system
6. Welding-shearing die-cutting machine, High-frequency type -
7. Strip cutter
8. Multi-cutting
9. Cutter for rubber bales
10. Guillotine shears
11. Roll-holder for beam press
12. Lifting platform for material in sheets
13. Roll-feeder to convey materials
14. Gripper-type feeder to convey materials
15. Planing machine for cutting boards
16. Model area measuring machine

III) MACHINES TO PREPARE AND STITCH UPPER SHOES

1. Leather splitting machine
2. Stamping machine for linings/uppers (manual or automatic type)
3. Transfer stamping machine
4. Skiving machine for upper components
5. Machine to apply reinforcing tape to upper components
6. Upper-lining stiffener (book-type closing)
7. Machine to apply reinforcing tape to upper edges
8. Rubbing and skiving machine for stitching edges
9. Seam pressing and taping machine
10. Vamp pre-forming machine
11. Modular system to hot-print mock-stitching, patterns and relief, high-frequency type
12. Plating machine to emboss or print leather
13. Plating machine to emboss upper to interlace and plate after threading
14. Seam beating machine of stitchings and sharp-edged parts of trimmed uppers
15. Perforating machine to make shoe lace holes
16. Perforating and decorating machine
17. Edge folding machine
18. Thermo cement and folding machine with reinforcing tape
19. Thermo cementing and folding machine for French binding
20. Machine to make thermoplastic toe puffs on uppers
21. Thermo adhesive toe puff attaching machine
22. Cement spraying machine for vamps to couple uppers, lining and toe puffs
23. Thermoplastic cementing machine
24. Pleating machine for uppers
25. Zig-zag sewing machine
26. Arm-type rotary sewing machine for edgings and profiling (long-arm type)
27. Flat-bed sewing machine, 1 or 2 needles
28. Flat-bed sewing machine with automatic thread cutter 1 or 2 needles
29. Post sewing machine, 1 or 2 needles
30. Post-bed sewing machine with knife, 1 or 2 needles
31. Post-bed sewing machine with automatic thread-cutter 1 or 2 needles
32. Sewing binding machine
33. Moccasin pre-paste cementing machine
34. Machine to sew imitation moccasin
35. Spot welding machine for stitching of moccasin aprons
36. Upper lining trimming machine
37. Strobel machine insole application
38. Automatic sewing machine
39. Computerized sewing machine for assembling with templates
40. Eyeleting machine (manual or automatic type)

41. Riveting machine (manual or automatic type)
42. NC riveting machine
43. Hook, eyelet applying machine
44. Machine to apply decorations onto uppers
45. Upper lacing machine
46. Machine to apply snap fasteners
47. Roller cementing machine for zippers
48. Boot turn-out machine
49. Belt dispenser (plain, automatic or computer aided type)
50. Conveyor mechanical dispenser
51. Blades
52. Bell knives for skiving machines
53. Metal smallware
54. Carding tools
55. Special sewing machine
56. Computer controlled stitching machine
57. Shoe-repairing sewing machine

IV) SOLE UNIT ASSEMBLY AND MACHINING EQUIPMENT

1. Insole tacking machine by tacks
2. Insole trimming machine
3. Insole applying machine, pressure type
4. Insole applying machine, cement type
5. Backpart moulding machine
6. Backpart moulding machine for moccasins
7. Backpart moulding machine for stitch down/ideal applications
8. Backpart moulding machine for Goodyear applications
9. Upper edge roughing machine
10. Moccasin ironing machine
11. Steamer for toe caps and/or heel seat and stiffeners
12. Machine for humidifying the entire upper and reactivating toe-caps and counters
13. Machines for humidifying the entire upper
14. Toe forming machine
15. Pulling-over and lasting machine for cemented and other applications
16. Pulling-over and lasting machine for Goodyear applications
17. Pulling-over and lasting machine for Ideal applications
18. Machine to fix the uppers to the last by tacks (on cord)
19. Machine to pull and fix lining
20. Thermoplastic side laster
21. Waist laster with knife-type rough-rounding apparatus for Ideal applications
22. Waist laster, hook or tack type
23. Goodyear inseam trimming machine

24. Seat laster for cemented and/or tacks Seat laster for Goodyear applications
25. Seat laster for Ideal applications
26. Waist and seat laster for cemented applications
27. Lasted shoe pounding machine (idle roller/ hammer type)
28. Lasted shoe pounding machine for bottom leveling
29. Heel seat beating machine, wheel-vibrating hammer type
30. Machine for finishing the fit surface between prefixed heel and heel seat
31. Heat setter to ironing and conditioning shoes and boots lasted on last
32. High performance heat setter to ironing and conditioning shoes and boots lasted on last
33. Thermo ironing machine for shoes with saturate steam with mixture of hot air and steam and with ironing rollers
34. Heel-seat beater Manual machine to roughen assembled edges
35. Sanding machine Rotary machine to apply the masking tape to delimit roughing area
36. Automatic programmable roughing machine for lasted shoes & also with grinding device
37. Automatic cementing machine for lasted shoes
38. Semi-automatic rotary brush machine for water-dispersed adhesives
39. Overturned cementing machine for lasted shoe sole units
40. Automatic cementing machine for soles
41. Automatic roughing/cementing machine for lasted shoes
42. Roughing machine for dish soles (manual and semi-automatic type)
43. Dryer Reactivator
44. Cement drying machine with conveyor
45. Vacuum drying and reactivating unit
46. Water based cement drying machine
47. Sole press with sector pads
48. Sole press equipped with self-shaping pads
49. Automatic press with lower water pad-box
50. Chill setter with conveyor
51. Brushing machine for the removal of remains of glue along the edge last
52. Last pulling machine
53. Heel pre-fixing machine
54. Heel nailing machine
55. Gang nailing machine
56. Channeling machine for lasted shoes and soles
57. Channel opening machine
58. Channel closing machine
59. Stitch-marking machine
60. Trimming cleansing machine for edges of sole and heel
(with or without nebulizer)
61. Manual trimming machine for sole and heel edges

62. Machine to remove rubber filaments caused by sanding
63. Manual ornamental ribbing machine for soles
64. Manual trimming machine for heels
65. Manual band scouring machine for sole and heel already applied Lockstitch side wall sewing machine
66. Lockstitch sole sewing machine for black work
67. Lockstitch sole sewing machine for black work
68. Lockstitch sole sewing machine for direct seam of upper and sole
69. High-speed welt sewing machine for Goodyear applications
70. High-speed outsole stitcher for Goodyear Last-fitting machine
71. Soft-roller cementing machine for soles
72. Halogenating machine for rubber soles and similar materials
73. Top lift nailing machine
74. Vulcanizing machine with autoclave incorporated in the conveyor
75. Dust exhaust and collection unit
76. Manual conveyor, push-type
77. Electromechanical conveyor with variable speed or temporized stops
78. Loading/unloading robot
79. Thermostatic cell

V) MACHINES TO PREPARE COMPONENTS AND ACCESSORIES

1. Toe Caps

- (i) Skiving machine with cutting lubrication

2. Stiffeners

- i. Wetting machine
- ii. Copying lathe to make moulds
- iii. Skiving machine with cutting lubrication
- iv. Automatic machine for skiving, stamping and knurling
- v. Machine to finish edge pitching of leather board material
- vi. Rolling machine
- vii. Rough scouring machine, wheeled, with pad
- viii. Dual station manual pre-forming machine
- ix. Automatic heel sock performing machine
- x. Heel sock cementing machine
- xi. Heel sock drying oven
- xii. Raw materials

3. Insoles

- (i) Automatic insole cutting machine
- (ii) Machine for sandwich cutting of insole heel sock

- (iii) Hole making machine for insoles to seat straps (sandals)
- (iv) Insole grooving machine for notches to seat straps
- (v) Skiving machine for fiberboard
- (vi) Machine to fit metal shanks to board shanks
- (vii) Cementing machine with or without dryer
- (viii) Cementing machine for insole edges
- (ix) Cementing and stamping machine
- (x) Plating-shaping machine
- (xi) Silk-screen printing machine for decoration of cleaning insole, Insole to board shank assembly machine
- (xii) Press of performing insole
- (xiii) Profiling and pitching trimming machine (with or without sharpening machine)
- (xiv) Folding machine
- (xv) CAD system for heel designing and engineering
- (xvi) CAM system to make sample heels

4. Heel

- (i) Guillotine cutter for leather bands
- (ii) Machine for covering and pressing cork and leather heels
- (iii) Machine for pressing the anterior part of heel
- (iv) Machine to make holes and C-line of heel breast
- (v) Machine to cut heel performs off strips
- (vi) Evening and roughing machine
- (vii) Lift flaring machine
- (viii) Sanding machine for leather-covered heels
- (ix) Rough-scoring machine for heel coverings
- (x) Machine to spread adhesive into lifts
- (xi) Press to assemble lifts
- (xii) Machine to cement heel covers and heels
- (xiii) Automatic heel and heel covers cementing and assembling machine
- (xiv) Double cementing machine for intermediate components(coverings for heels)
- (xv) Pre-trimming machine for no leather heels
- (xvi) Heel pre-trimming machine
- (xvii) Heel digging machine
- (xviii) Automatic abutting digging machine
- (xix) Heel decorating machine
- (xx) Spraying machine with or without device for leather stripes effect
- (xxi) Automatic machine for heels milling, inclination and depth making
- (xxii) Transfer for full heel working

- (xxiii) Vertical dryer
- (xxiv) Tool sharpening machine

5. Sole

- (i) (CAD-CAM) working center for soles making
- (ii) Die-cutting, marking machine (automatic type)
- (iii) Blade-type pre-evening machine
- (iv) Roughing leveling machine
- (v) Buffing-scouring machine
- (vi) Manual pre-trimming machine
- (vii) Automatic pre-trimming machine
- (viii) Trimming machine for soles or foam half soles
- (ix) Edge trimming machine
- (x) Trimming machine to make anti-slip lines
- (xi) Roughing machine
- (xii) Edge roughing and growing machine
- (xiii) Heel seat roughing machine
- (xiv) Roughing machine for half sole
- (xv) Halogenating machine for rubber soles and similar materials
- (xvi) Stamping machine to print brand and number
- (xvii) Stamping machine for identification through processing cycle
- (xviii) Decorating machine for stitch separation and grooving
- (xix) Topside cementing machine with soft roller
- (xx) Cementing machine with pressure roller, for pre-finished sole edge
- (xxi) Pressurized tank for cement spreading with gun and brush
- (xxii) Workbench with adhesive spraying system (water-based and polyurethane adhesive)
- (xxiii) Injection press for top pieces
- (xxiv) Sole edge cementing machine
- (xxv) Welt attaching machine
- (xxvi) Welt chamfering at the beginning and at the end of application
- (xxvii) Managed rotation performing machine
- (xxviii) Halogenating machine for rubber soles and similar materials
- (xxix) Stamping machine to print brand and number
- (xxx) Stamping machine for identification through processing cycle
- (xxxi) Decorating machine for stitch separation and grooving
- (xxxii) Topside cementing machine with soft roller
- (xxxiii) Cementing machine with pressure roller, for pre-finished sole edge
- (xxxiv) Pressurized tank for cement spreading with gun and brush
- (xxxv) Workbench with adhesive spraying system (water-based and polyurethane adhesive)

- (xxxvi) Injection press for top pieces
- (xxxvii) Sole edge cementing machine
- (xxxviii) Welt attaching machine
- (xxxix) Welt chamfering at the beginning and at the end of application
- (xl) Managed rotation performing machine
- (xli) Managed rotation edge-setting machine
- (xlii) Scouring machine for sole grain side
- (xliii) Scouring machine, sole edges and welt
- (xliv) Scouring machine to profile heels and soles
- (xlv) Press to fit welt or mid-sole to sole
- (xlvi) Press for heel-sole fitting
- (xlvi) Automatic heel nailing machine for pre-finished shoe
- (xlviii) Connection rotary belt
- (xlix) Sole turning belt
- (l) Automatic collector
- (li) Loading/unloading robot
- (lii) Sole-holder swivel for cement drying
- (liii) Vertical dryer
- (liv) Electromechanical conveyor with variable speed or temporized stops
- (iv) Manual conveyor, push-type

6. Leather Welt

- (i) Machine to square various material brands
- (ii) Machine to blunt joints
- (iii) Roughing machine
- (iv) Channeling machine
- (v) Machine to prepare welts for Goodyear application
- (vi) Grooving machine
- (vii) Stitch separating machine
- (viii) Cementing machine
- (ix) Seam press
- (x) Sewing machine for decorations
- (xi) Stitch-separating machine
- (xii) Automatic spraying machine
- (xiii) Machine to wrap and count meters
- (xiv) Automatic cementing-winding machine for welt (with counter)
- (xv) Raw materials

VI) STRIPS, EDGINGS, MIGNON

1. Perforating machine

2. Cutter up to 1600 mm port
3. Spiral strap cutter
4. Piece cutting and measuring machine
5. Strip cutter and multiple winding machine
6. Roller cutter
7. Seam press
8. Seam and band skiving machine
9. Through-feed skiving machine
10. Cementing machine
11. Top side edge cementing machine
12. Machine to cement for mignon
13. Oven
14. Forming machine
15. Winding spooling machine
16. Braiding machine for n-items
17. Automatic programmable machine to weave materials (leather and synthetic materials)
18. Folding machine for edgings - Mignon
19. Edge inking machine
20. Machine to weld mignons and possible decoration by spraying molten material
21. Machine to weld spread adhesive on plasticized fabric rolls
22. Strip collector
23. Coil trestle

II) ACCESSORIES-DIE CUTTER

1. Pattern circumference measuring machine
2. Punching machine (for saddles and steel strips)
3. Equipment to applying piercing devices and prick
4. Broaching machine
5. Shears for steel or iron
6. Chafing machine with copy
7. Final clicking press
8. Folding machine
9. Belt grinder
10. Drilling machine
11. Marking machine
12. Notch indicator
13. Plotter to write and engrave
14. Varnishing tank
15. Edging shear for shaping the steel

16. Sharpening machines
17. Welding bench
18. Sundry accessories

VIII) ACCESSORIES

1. (Electric) furnace to melt alloys
2. Centrifuging machine (with automatic cycle)
3. Transfer for centrifugal casting
4. Buckle tongue making machine
5. Vulcaniser
6. Vibrator with automatic unloading
7. Welding machine
- (i) Mould cooling table
- (ii) Moulds for clips
8. Work bench
9. Exhaust bench for buckle and costume jewelry makers
10. Enameling plant

IX Lasts

1. Machine to make plastic blocks
2. Digitizing for electronic lasts copying
3. NC roughing machine
4. Mechanical roughing machine
5. Milling machine for last seat
6. Thimble drilling machine
7. Thimble driving machine
8. Machine to make plated seats
9. Dust and chip suction
10. Plating bench with vices
11. Pneumatic hammer-Iron plate cutter
12. Machine to pound and fit the steel plate to last
13. Double gauge for checking fitting and length
14. Equipment to check last structure
15. Tool sharpening machine
16. Extruder for closing last moles
17. Flashing tunnel
18. Roughing-finishing machine for models

X) MACHINES FOR SYNTHETIC MATERIAL

1. Injection machine for thermoplastic materials (rigid or expanded) and thermoplastic elastomers (rigid or expanded), linear, to make soles

2. Injection machine for thermoplastic materials (rigid or expanded) and thermoplastic
3. elastomers (rigid or expanded), rotary, to make soles
4. Injection machine for thermoplastic materials (rigid or expanded) and thermoplastic elastomers (rigid or expanded), linear type, for full plastic items
5. Injection machine for thermoplastic materials (rigid or expanded) and thermoplastic elastomers (rigid or expanded), rotary, for full plastic items
6. Machine for direct injection onto uppers of rubber, linear
7. Machine for direct injection onto uppers of rubber, rotary
8. Machine for direct injection onto uppers of PUR, rotary
9. Machine for direct injection onto uppers of PUR, linear
10. Open-mould PUR pouring machine, linear, to make soles
11. Open-mould PUR pouring machine, rotary, to make soles
12. EVA moulding machine for thermoforming, fixed type
13. Rubber moulding machine, fixed, to make soles
14. Automatic injection machine, fixed for thermoplastic material to make top lifts and half soles
15. Automatic injection machine, rotary for thermoplastic material to make soles, heels and wedges
16. Automatic injection machine, rotary for compact thermoplastic material to make top lifts with metal nails
17. Automatic injection machine, fixed for compactor thermoplastic material to make heels, top lifts, soles, wedges, stiffeners and toe caps
18. Automatic injection machine, fixed for thermoplastic material to make heels, wedges and top lifts with metal inserts
19. Automatic injection machine, rotary, for (compact and expanded) thermoplastic materials, to make leather-covered heels and wedges and items with metal inserts
20. Automatic injection machine, rotary, for compact thermoplastic materials for the production of insoles with plastic shanks injected
21. Roughing robot
22. Cement spreading robot
23. Machine for straight-into-upper vulcanizing of rubber soles
24. Compression-type vulcanizing press for soles
25. Compression-type vulcanizing press for boots
26. Manual trimming machine
27. Trimming robot
28. Extruder for multicolor rubber foxing (PVC, TR, rubber) welt extruders, one and two-colours
29. Mould patterns
30. Moulds

ANNEXURE -C**4. LIST OF MACHINES FOR LEATHER GOODS****I) MACHINERY**

1. Splitting M/c
2. Skiving M/c Standard
3. Skiving M/c Equipped with joint Skiving Kit
4. Clicking M/c
5. Spray Gluing M/c
6. Strap Cutting M/c
7. Logo Stamping M/c
8. Straight Edge Folding M/c
9. Vertical Edge Dyeing & Polishing M/c
10. Button Riveting M/c with dies for different sizes of Buttons, Rivets & Eyelets
11. Frame Fixing M/c
12. Piping M/c
13. Sewing M/c Flat Bed
14. Sewing M/c Cylinder Bed with attachments
15. Sewing M/c Post Bed
16. Sewing M/c Twin Needle (Disengagable)
17. Sewing M/c Heavy Duty for Thick Stitching
18. Sewing Machine Zig Zag
19. Stitch Flattening M/c
20. Interlocking M/c
21. Heat Setter
22. Flat Plating M/c
23. Brushing & Finishing M/c
24. Spares for Machinery

II) CAD SECTION

1. Computers with 21" Colour Monitors & CD Writers
2. Colour Printers
3. Flatbed Cutter and Plotter
4. Software - Corel Draw, Adobe Photoshop, Auto CAD 3D MAX
5. Digital Camera
6. Scanner

ANNEXURE-D

3. LIST OF MACHINES FOR LEATHER GARMENT INDUSTRY

1. Flat bed drop feed single needle
2. Flat bed drop feed double needle.
3. Post bed single needle – lower end needle feed
4. Post bed double needle – lower end needle feed
5. Button holing machine.
6. Bar taking machine
7. Pocket welting machine
8. Eyelet button hole machine
9. Electronic pattern sewing machine (computerized)
10. Octagonal knife cutting machine
11. Basting machine
12. Cylinder bed sewing machine
13. Decorative stitching machine
14. Fusing machine
15. Thread burners

ANNEXURE -E**5 LIST OF MACHINES FOR SADDLERY**

S.N.	MACHINE NAME
1	Edge trimming m/c
2	Automatic edge inking m/c
3	Pneumatic strap end scarfing m/c
4	Blade sharpening and end thinning m/c
5	Clicking m/c pneumatic
6	Splitting m/c
7	Strap cutting m/c
8	Stamping m/c
9	Edge grinding and finishing m/c
10	Cementing (gluing)
11	Hot air thread burner
12	Hot creasing m/c
13	Double eyeleting m/c
14	Riveting m/c
15	Automatic hole punching m/c
16	Edge folding m/c
17	Clicking m/c (hydraulic) Swing Arm
18	Hole punching m/c
19	Sewing m/c manual (Flat bed)
20	Skiving heavy duty m/c
21	Sewing m/c manual (Cylinder arm)
22	Sewing m/c single Needle cylinder bed
23	Sewing m/c double Needle cylinder bed
24	Sewing m/c single Needle Flat bed
25	Sewing m/c double Needle Flat bed
26	Sewing m/c (Pneumatic)
27	Skiving m/c
28	Clicking m/c (Hydraulic) Beam press
29	Embossing m/c (Hydraulic)
30	Traveling head clicking press
31	Double Eyeleting m/c
32	Double Feed Riveting m/c

Form:IDLS-I**Application Form for Assistance under****INTEGRATED DEVELOPMENT OF LEATHER SECTOR SCHEME**

(To be submitted in triplicate, Photocopies may be used)

1. Name of the Firm/Company _____
2. PAN Number _____
3. Name of sole proprietor/partners/directors _____

4. Office Address _____

Phone _____ Fax _____
E-Mail _____
5. Factory Address _____

Phone _____ Fax _____
E-Mail _____
6. Date of incorporation/commencement of production _____
7. Item/s of manufacture _____
- (a). Type of Industry ☐ Tannery ☐ Footwear Component ☐ Footwear ☐ Leather Goods
☐ Leather Garments ☐ Composites ☐ Others (specify)
- (b) NIC No/s (as per NIC Code 1987)

8. (a) Existing capacity

(b) Capacity proposed/achieved after modernization

9. Past performance (for three years on the basis of audited balance sheets)

(a) Financial position

(Rs. in lakh)

		Financial year (Y-1)	Financial year (Y-2)	Financial year (Y-3)
I	Net block			
II	Current assets			
III	Current liabilities			
IV	Term Loan			
V	Share Capital			
VI	Reserve and surplus (less accumulated losses)			
VII	Net worth— (V+VI)			

(b) Working results

(Rs. in lakh)

		Financial year (Y-1)	Financial year (Y-2)	Financial year (Y-3)
I	Total sales			
II	Gross Profit (before interest and depreciation)			
III	Depreciation			
IV	Interest			
V	Operating Profit			
VI	Net Profit (after tax)			

10. (a) Details of machines covered under the scheme

(In case of imported machines the cost should be given in foreign currency and rupee equivalent). (A separate annexure may be given)

Sl.No.	Make, Description & Specification of machines	Quantity	Unit cost (as per quotation / supply proforma invoice)	Source of supply	Total cost

(b) In case, machines have been procured already, then date of sanction of loan/Date of order for machines in case of self financing

(c) Estimated Sales and excise tax _____

(d) Estimated cost of freight and transportation and insurance _____

(e) Estimated custom duty _____

Total (c)+(d) +(e) _____

11. Total cost of scheme (as approved by Bank/FIs) _____

12. Total sources of funding (as approved by Banks/FIs) _____

Term loan _____

Add share capital _____

Internal cost accruals _____

13. Brief Description of the Modernization Initiative and Expected Results : A separate note may be attached relating the Scope of planned work to the objectives of the Scheme.

14. Time frame for completion _____

15. Employment (in man days)

(a) Existing

(b) Proposed

(c) Total :

16. Incremental benefits from implementation of scheme (Indicate in terms of capacity utilization, increased sales, exports, reduction in cost of production, increase in productivity, quality Upgradation, attainment of pollution standards. Give quantitative results).

DECLARATION

We, hereby declare that the information given above and the statements and other papers enclosed are to the best of our knowledge and belief true and correct.

Place:

Signature:

Date :

Name and Designation:

Form:IDLS-II

Recommendations of the Bank/Financial Institution/SIDBI

1. It is to certify that to the best of our knowledge the above statements are correct.
2. The concern has been sanctioned a term loan of Rs..... for undertaking modernization programme. (Indicate if self financed)
3. The total cost of machines eligible for assistance for Rs.....
4. In terms of provision of scheme Rs..... is recommended for financial assistance under the scheme.
5. It is also certified that assistance received under the scheme will not be adjusted towards dues of the bank/FI and will be credited into borrowers account and will be adjusted towards component of loan earmarked for machines eligible for assistance under the Scheme.
6. Following documents are enclosed :
 - (a) Appraisal memorandum
 - (b) Letter of sanction (in case of Bank Loan)

Place:

Signature

Date:

Name and designation of
Bank/FI official

Form:IDLS-III

**Quarterly Report on
Performance of units accorded assistance under
Integrated Development of Leather Sector Scheme
Report for the Quarter _____**

1.	Name and address of the industrial undertaking (i) Location of the Unit. (ii) PAN Number	
2.	Date of approval of grant under IDLS scheme	
3.	Date of commencement of production of the unit.	
4.	Items of manufacture (i) NIC No/s. (specify item's code as define under NIC,1987 (ii) Existing capacity (iii) Total capacity after modernization.	
5.	(a) Amount of financial assistance sanctioned by DIPP (in Rs.). (b) Total cumulative Investment in Plant &	

	Machinery for modernization		
6.	Status of completion of modernization process		
	(a) Due date of Completion of modernization.		
	(b) Whether progress as per schedule, if not reasons for delay and expected date of completion of modernization.		
7.	Working results	As on previous reporting period (last quarter)	As on the present report period
	(a) Total Production i) In Quantity ii) In value		
	(b) Total sales i) In Quantity ii) In value		

DECLARATION

Declared that the information above are true and correct to the best of our knowledge and belief.

Place :

(Signature of Authorized person)

Name -----

Date :

Designation -----

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD
& PUBLIC DISTRIBUTION
(DEPARTMENT OF FOOD & PUBLIC
DISTRIBUTION)

New Delhi, the 21st November 2005

RESOLUTION

No. E-11015/2/2003-Hindi. In continuation of the Resolution of even number dated 5th January, 2005 & 28th Feb., 2005 regarding reconstitution of Hindi Salahakar Samiti of Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution following Member of Parliament shall be the member of the committee in place of Smt. Sarla Maheshwari, M.P. (Rajya Sabha) mentioned at Serial No. 8 under the heading "Representatives of the committee of Parliament on Official Language" :-

Shri Anil Bose
M.P. (Lok Sabha)

ORDERS

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the State Government, Union Territory Administration, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller & Auditor General of India, Controller of Accounts, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution and all the Ministries and Departments of Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ANITA CHAUDHARY

Jt. Secy.

MINISTRY OF CULTURE

New Delhi, the 24th October 2005

RESOLUTION

No. F. 12-1/2005-A&A.—

The Government of India after due consideration has decided to set up a National Advisory Committee for establishing a National Repository on Human Genetic Resource and Data with the following members:-

Members:

- | | | |
|---|---|----------|
| 1. Dr. S.S. Agarwal (Hon.Consultant, Central Drug Research Institute, Lucknow) | - | Chairman |
| 2. Dr. P.S. Chauhan (Medical Scientist) | - | Member |
| 3. Dr. Lalji Singh (Director, Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad) | - | Member |
| 4. Dr. K. Kahsyap (Forensic Expert) | - | Member |
| 5. Dr. Ullas Wagh (Cytochemistry Expert) | - | Member |
| 6. Prof. E. Haribabu (Sociologist) | - | Member |
| 7. Prof. S.R. Walimbe (Expert on Ancient DNA) | - | Member |
| 8. Prof. P.P. Majumdar (Human Genome Expert) | - | Member |
| 9. Shri Rajiv Dhawan (Legal Expert) | - | Member |

Ex-Officio Members:

- | | | |
|---|---|------------------|
| 1. Ministry of Culture - Director-in-charge, Anthropological Survey of India | - | Member-Secretary |
| 2. Ministry of Science & Technology - Director, DBT | - | Member |
| 3. Ministry of Health & Family Welfare - Senior Deputy Director General, ICMR | - | Member |
| 4. Ministry of Defence - Director Directorate of Life Sciences, DRDO | - | Member |
| 5. Ministry of Environment and Forest - Representative | - | Member |

The terms of reference of the Committee shall be as follows:-

1. To consider, Evaluate and Recommend the Establishment of Permanent National Repository for Human Genetic Resources and Data.
2. To suggest regulatory issues involved in such establishment at National level.
3. To consider and recommend ethical, social and legal issues including consent, intellectual property rights, benefit sharing, research, material transfer agreements (MTA) etc. of international standards, involved in collection and storage of DNA, Cell Lines and ancient skeletal material.
4. To suggest operational aspects of the repository including policy issues.
5. To submit the complete report within SIX months from the date of constituting the Committee.

ORDER

Ordered that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

L. RYNJAH

Jt. Secy.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
 एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2005
 PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND
 PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2005